राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 03 | अंक – 314 | जौनपुर | शुक्रवार, 04 जलाई 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

पश्चिम बंगाल बीजेपी के अध्यक्ष बने समिक भट्टाचार्य, सुकांत मजूमदार की लेंगे जगह

कोलकाता, (एजेंसी)। राज्यसभा सांसद समिक भट्टाचार्य को गुरुवार को सर्वसम्मति से पश्चिम बंगाल भाजपा का नया अध्यक्ष चुना गया। वरिष्ठ भाजपा नेता इस पद के लिए निर्विरोध निर्वाचित हुए, क्योंकि बुधवार को समय सीमा तक किसी अन्य उम्मीदवार ने इस पद के लिए नामांकन दाखिल नहीं किया था। भट्टाचार्य ने बुधवार को निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार और राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी के साथ दोपहर में साल्ट लेक स्थित भाजपा कार्यालय में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया था। भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने पहले कहा था कि 61 वर्षीय राज्यसभा सांसद, इस पद के लिए एकमात्र उम्मीदवार होने के नाते निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए जाएंगे। कोलकाता के साइंस सिटी में आयोजित एक सम्मान समारोह में केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद की मौजूदगी में औपचारिक घोषणा की गई, जिन्होंने भट्टाचार्य को चुनाव प्रमाण पत्र सौंपा। निवर्तमान अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने भट्टाचार्य के अध्यक्ष बनने पर समाचार एजेंसी एएनआई से कहा, ष्यह एक निरंतर रिले रेस है... पहले, लड़ाई मेरे नेतृत्व में होती थीय अब लड़ाई एक नए अध्यक्ष के नेतृत्व में होगी. .. हम ममता बनर्जी की सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए लड़ाई जारी रखेंगे। भारतीय जनता पार्टी के नए प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया बुधवार को शुरू हो गई। आधिकारिक चुनाव कार्यक्रम सार्वजनिक होने के एक दिन बाद यह प्रक्रिया शुरू हुई। पार्टी के निर्वाचन अधिकारी और विधायक दीपक बर्मन ने एक बयान में कहा, ष्भारतीय जनता पार्टी, पश्चिम बंगाल का संगठन पर्व अपने अंतिम चरण में पहुंच गया है।

दलाई लामा के जन्मदिन समारोह में किरेन रिजिजू और ललन सिंह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू और राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ध र्मशाला में दलाई लामा के 90वें जन्मदिन समारोह में भाग लेने के लिए तैयार हैं। तिब्बती आध्यात्मिक नेता के उत्तराधिकार के संवेदनशील मुद्दे पर बढ़ती हुई दिलचस्पी के बीच, आधिकारिक समारोह से पहले रिजिजू शुक्रवार को पहाड़ी शहर की यात्रा करेंगे। दलाई लामा का जन्मदिन ग्रेगोरियन कैलेंडर के अनुसार 6 जुलाई को पड़ता है, जबकि तिब्बती कैलेंडर के अनुसार उत्सव 30 जून से शुरू हो गया है। इस महत्वपूर्ण जन्मदिन को धार्मिक समारोहों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ मनाया जा रहा है। रिजिजू ने अपनी यात्रा से पहले कहा कि यह राजनीति का मामला नहीं है – यह धार्मिक विश्वास का मामला है। उन्होंने कहा कि किसी को भी हस्तक्षेप करने या यह तय करने का अधिकार नहीं है कि परम पावन दलाई लामा का उत्तराधिकारी कौन होगा। केवल उन्हें या संस्था को ही यह निर्णय लेने का अधिकार है। उनके अनुयायी इस बात पर गहराई से विश्वास करते हैं। दुनिया भर के शिष्यों के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वे अपना उत्तराधिकार तय करें। ललन सिंह का चयन महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

इंटरनेशनल सेंटर को दोबारा संजीवनी देने की तैयारी : सीएम योगी

लखनऊ, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ एक बार फिर बड़े प्रशासनिक फैसलों का गवाह बनने जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में गुरुवार को होने वाली राज्य कैबिनेट की अहम बैठक में कई बड़े प्रस्तावों पर चर्चा और स्वीकृति की संभावना है। खास बात यह है कि इस बार कैबिनेट की बैठक में पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के ड्रीम प्रोजेक्ट जेपी इंटरनेशनल सेंटर (श्रच्छप्ब्) को नए रूप में संचालित करने की मंजूरी दिए जाने की पूरी उम्मीद जताई जा रही है। यह फैसला राजनीति के गलियारों में एक सकारात्मक संकेत के तौर पर देखा जा रहा है, विशेषकर उस समय जब अखिलेश यादव ने दो दिन पहले ही अपना जन्मदिन मनाया है। इसे उनके लिए एक "राजनीतिक तोहफा" माना जा रहा है। इसके अलावा, सरकार द्वारा शहरी आवासीय कॉलोनियों में घर के साथ दुकान बनाने की सुविधा को भी मंजूरी मिल सकती है, जिससे प्रदेश में छोटे व्यापारों और स्व–रोजगार को बढ़ावा मिलेगा। जेपी इंटरनेशनल सेंटर, लखनऊ के गोमती नगर क्षेत्र में स्थित एक अत्याधुनिक सांस्कृतिक और प्रशासनिक केंद्र है, जिसकी कल्पना अखिलेश यादव के कार्यकाल में की गई थी। इस केंद्र को अंतरराष्ट्रीय स्तर के आयोजनों, सेमिनारों, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और व्यावसायिक सम्मेलनों के लिए तैयार किया गया था। हालांकि, सरकार बदलने के बाद इस परियोजना को अनदेखा किया गया और इसका संचालन वर्षों तक ठप रहा। अब योगी सरकार इस केंद्र को फिर से शुरू करने की दिशा में कदम बढ़ा रही है। सूत्रों के अनुसार, गुरुवार को होने वाली कैबिनेट बैठक में इस पर अंतिम मुहर लग सकती है। सरकार इसे एक गैर–राजनीतिक सार्वजनिक स्थल के रूप में दोबारा स्थापित करना चाहती है, जिससे राजधानी लखनऊ को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत किया जा सके। जेपी इंटरनेशनल सेंटर केवल एक इमारत नहीं, बल्कि विचारों, संस्कृति और समकालीन उत्तर प्रदेश की आकांक्षाओं का प्रतीक है। इसमें ऑडिटोरियम, मल्टीपर्पज हॉल, पुस्तकालय, आर्ट गैलरी, वीआईपी लाउंज, होटल सुविधाएं और अन्य अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। इसका उद्देश्य था कि लखनऊ को भी दिल्ली के इंडिया हैबिटेट सेंटर और विज्ञान भवन जैसे मंचों के समकक्ष एक आधुनिक स्थल मिले। कैबिनेट बैठक का एक और प्रमुख प्रस्ताव यह है कि अब राज्य के शहरी क्षेत्रों में स्थित आवासीय कॉलोनियों में 90 वर्ग मीटर तक के भूखंड पर मकान के साथ दुकान बनाने की अनुमति दी जा सकती है। यह सुविधा आम नागरिकों के लिए न केवल सुविधाजनक होगी, बल्कि शहरी क्षेत्रों में छोटे व्यवसायों और घरेलू स्तर पर चलने वाले व्यापारों को नया जीवन देगी। यह प्रावधान विशेष रूप से उन नागरिकों के लिए लाभकारी होगा, जो आवासीय कॉलोनी में रहते हुए छोटा व्यवसाय, बुटीक, सैलून, क्लिनिक या किराने की दुकान चलाना चाहते हैं। शहरी विकास में पार्किंग की समस्या हमेशा से एक बड़ी चुनौती रही है। इसी को ध्यान में रखते हुए नए भवन विकास उपविधियों में अतिरिक्त पार्किंग प्रावधानों को शामिल किया गया है। राजनीतिक पंडितों का मानना है कि जेपीएनआईसी को पुनः सक्रिय करने का फैसला सिर्फ प्रशासनिक नहीं, बल्कि रणनीतिक भी है।

अखिलेश यादव के जन्मदिन के दो दिन बाद लिया गया यह फैसला भाजपा की ओर से एक परिपक्व राजनीतिक संदेश के रूप में देखा जा रहा हैकृजहां राजनीति से ऊपर उठकर सार्वजनिक हितों को प्राथमिकता दी जा रही है। इन सभी प्रस्तावों से सरकार की यह मंशा स्पष्ट होती है कि वह शहरी क्षेत्रों में छोटे और मझोले व्यापारों को प्रोत्साहन देना चाहती है। इससे न केवल रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, बल्कि नागरिकों को भी जीवनयापन के लिए स्थानीय विकल्प उपलब्ध होंगे।

केंद्र का केरल के प्रति नकारात्मक रुख बरकरार : मुख्यमंत्री

केरल, (एजेंसी)। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र

सरकार का केरल के प्रति नकारात्मक रुख जारी है और उसने ओणम त्योहार के लिए अतिरिक्त चावल आवंटन की राज्य की मांग को खारिज कर दिया है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच फेसबुक पर एक 'पोस्ट' साझा कर सभी राजनीतिक दलों से एकजुट होकर केंद्र सरकार के कथित केरल विरोधी रुख का विरोध करने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि केरल की मांग है कि गैर–प्राथमिकता वाले परिवारों को प्रति कार्ड पांच किलोग्राम चावल 8.30 रुपये की दर से उपलब्ध कराया जाए, जो वर्तमान में राज्य को अतिरिक्त आवंटन के रूप में उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने यह भी मांग की है कि गेहूं का आवंटन बहाल किया जाए, जो दो साल पहले तक अतिरिक्त आवंटन के रूप में दिया जा रहा था। मुख्यमंत्री ने कहा कि ओणम जैसे विशेष अवसरों के दौरान बाजार में चावल की कीमत को बढ़ने से रोकने के लिए गैर–प्राथमिकता वाले वर्गों को यथासंभव खाद्यान्न की उपलब्धता सुनिश्चित करना आवश्यक है। विजयन ने कहा, इसी संदर्भ में राज्य ने गैर–प्राथमिकता वाले वर्गों को अतिरिक्त चावल आवंटन की मांग की है। उन्होंने कहा, गैर प्राथमिकता वाले वर्गों को गेहूं का आवंटन बहाल करने की मांग उठाई गई लेकिन केंद्र सरकार इन मांगों को खारिज कर रही है। ये मांग आम लोगों की मदद के लिए हैं। इस संबंध में दलगत राजनीति से ऊपर उठकर एकजुट विरोध किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा, केंद्र सरकार की केरल विरोधी नीति को दुरुस्त करने के लिए लोगों का विरोध जरूरी है।

आतंकवादियों का सफाया करने में कोई हिचकिचाहट नहीं : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई में अमेरिका के समर्थन के लिए अमेरिकी समकक्ष पीट हेगसेथ के प्रति आभार व्यक्त किया। टेलीफोन पर हुई बातचीत में, उन्होंने भारत–अमेरिका रक्षा साझेदारी को और गहरा करने के लिए चल रही और नई पहलों की समीक्षा करने के लिए एक उत्कृष्ट चर्चा की। रक्षा मंत्री ने हेगसेथ को बताया कि सीमा पार आतंकवाद का पाकिस्तान का लंबा रिकॉर्ड विश्व स्तर पर सर्वविदित है और यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिबंधित आतंकवादियों के लिए पनाहगाह बन गया है। इससे पहले राजनाथ सिंह ने अपनी बिहार रैली के दौरान पाकिस्तान को बिना नाम लिए कड़ी चेतानवी दी है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार आतंकवादियों का सफाया करने में संकोच नहीं करेगी, चाहे वे कहीं भी हों, तथा सरगना और उन्हें प्रायोजित करने वाली सरकारों के बीच कोई अंतर नहीं किया जाएगा। सिंह ने बिहार में भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) की राज्य कार्यकारिणी की बैठक को संबोधित करते हुए, पड़ोसी देश का नाम लिए बिना पाकिस्तान को यह कड़ा संदेश दिया।

देश की सुरक्षा नीति में नया बदलाव के नेतृत्व में, 'सर्जिकल स्ट्राइक' और बालाकोट हवाई हमले जैसे कदमों के साथ देश की सुरक्षा नीति में नया बदलाव आया है। रक्षा मंत्री ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद चलाए गए सैन्य अभियान का जिक्र करते हुए कहा, "ऑपरेशन सिंदूर

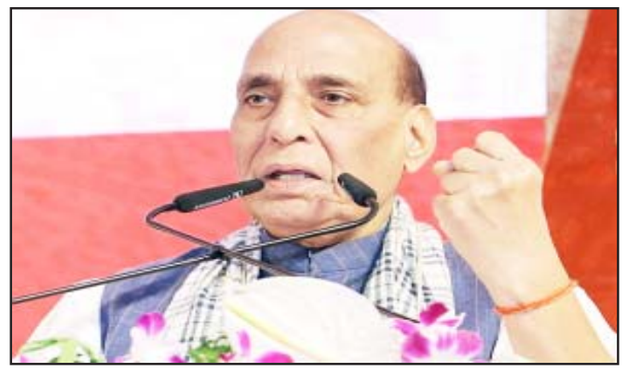

के तहत पहली बार हमने अपनी सीमा से 100 किलोमीटर दूर स्थित आतंकी ठिकानों पर हमला किया। बेशक, हमने केवल उन लोगों पर हमला किया, जिन्होंने हम पर हमला किया था। यही कारण है कि किसी भी नागरिक या सैन्य प्रतिष्ठान को निशाना नहीं बनाया गया।" मोदी सरकार दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ काम करती है। उन्होंने कहा, "मोदी के नेतृत्व में, हमारी नीति आतंकवादियों को खत्म करने में संकोच न करने की रही है, चाहे वे कहीं भी हों। और हम यह आतंकवादी हमलों के सरगना और उन्हें प्रायोजित करने वाली सरकारों के बीच कोई भेद किए बिना करेंगे।'

सुप्रीम कोर्ट ने नीतीश कटारा हत्याकांड के दोषी की अंतरिम जमानत चार हफ्ते के लिए बढ़ा दी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने 2002 के नीतीश कटारा हत्याकांड में 25 साल के कारावास की सजा काट रहे अपराधी विकास यादव की अंतरिम जमानत चार हफ्ते के लिए बढ़ा दी है. यह याचिका जस्टिस एम. एम. सुंदरेश और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की पीठ के समक्ष एक जुलाई को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध थी. पीठ ने कहा, श्हालांकि याचिकाकर्ता की मां की शारीरिक स्थिति के संबंध में दोनों पक्षों की ओर से दलीलें दी गई हैं, लेकिन हम अंतरिम जमानत की अवधि को चार सप्ताह और बढ़ाने के पक्ष में हैं.श सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जमानत अवधि के विस्तार के लिए चिकित्सा आधार पर कोई और छूट नहीं दी जाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने इस

साल 24 अप्रैल को यादव को अपनी बीमार मां से मिलने के लिए आठ मई तक अंतरिम जमानत दी थी, लेकिन बाद में इसे तीन बार (आठ मई, 19 मई और 17 जून को) विस्तार दिया गया था. विकास यादव के वकील ने 24 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट की ओर से उस पर लगाई गई शर्तों में से एक का हवाला दिया.। उन्होंने जमानत की उस शर्त में ढील मांगी, जिसके अनुसार विकास यादव को अंतरिम जमानत अवधि के दौरान गाजियाबाद स्थित अपने घर पर ही रहना है. वकील ने कहा कि विकास यादव की मां की पहले ही सर्जरी हो चुकी है और वह (मुवक्किल) बीमार मां के आगे के उपचार के लिए चिकित्सकीय सलाह लेना चाहता है.। वकील ने विकास यादव की करीब 23 साल की कैद का हवाला दिया. पीठ ने कहा, श्24 अप्रैल, 2025 के आदेश के तहत पहले लगाई गई उस शर्त में ढील दी जाती है, जिसके तहत विकास यादव को अंतरिम जमानत की अवधि के दौरान अपने आवास पर ही रहना था, लेकिन याचिकाकर्ता को यह ढील मां को अस्पताल लाने–ले जाने के लिए ही मिलेगी। सुप्रीम कोर्ट ने 24 अप्रैल को विकास यादव को उसकी बीमार मां से मिलने के लिए अंतरिम जमानत दी थी और निर्देश दिया था कि एम्स के चिकित्सकों के मेडिकल बोर्ड उसकी जांच करे विकास यादव उत्तर प्रदेश के बाहुबली नेता डी पी यादव का बेटा है.।

विसाबदर की जीत 2027 का सेमीफाइनल : केजरीवाल

गुजरात, (एजेंसी)। गुजरात की विसाबदर सीट पर उप–चुनाव में जीत से उत्साहित आम आदमी पार्टी (आप) विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुट गई है. पार्टी ने सदस्यता अभियान चलाने का ऐलान किया है. खुद आप के प्रमुख अरविंद केजरीवाल गुजरात के दौरे पर हैं। गुरुवार (3 जुलाई) को उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कांग्रेस को निशाने पर लिया. उन्होंने कहा कि हमारा, कांग्रेस के साथ कोई गठबंधन नहीं है. बीजेपी ने विसावदर में कांग्रेस को हमें हराने के लिए भेजा था. इंडिया गठबंधन लोकसभा चुनाव के लिए था। अरविंद केजरीवाल ने कहा, श्विसाबदर की जीत 2027 का सेमीफाइनल है. पिछले 30 साल से गुजरात में बीजेपी की सरकार है. 30 साल में बीजेपी ने गुजरात को बर्बाद करने में कोई कसर नहीं छोड़ी. अभी सूरत के अंदर बाढ़ आ रही है. लोगों के घरों में पानी घुसा है. आज से 10 साल पहले सूरत में ऐसा हाल नहीं था. ये भ्रष्टाचार का नतीजा है. बड़ोदरा और जूनागढ़ में भी यही हुआ है. गुजरात में सड़कों का बुरा हाल है. किसानों को खाद, पानी नहीं मिल

रहा है. युवाओं के लिए रोजगार नहीं है. भर्तियां कॉन्ट्रेक्ट पर किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, श्श्इसके बावजूद बार–बार बीजेपी जीत रही है. उसका केवल और केवल एक ही कारण है, अभी तक गुजरात के लोगों के पास विकल्प नहीं थे. वो कहते थे बीजेपी को हराना चाहते हैं, लेकिन किसे वोट दें. कांग्रेस उनकी जेब में है, ये सभी जानते हैं. बीजेपी को जिताने के लिए कांग्रेस को हर चुनाव में एक तरह से ठेका दिया जाता है. बीजेपी को कांग्रेस बहुत अच्छे से जीताती है. कांग्रेस के ऊपर बीजेपी को भरोसा नहीं है. लोगों को पता है कि अगर कांग्रेस को वोट दिया और जीत भी गए तो बाद में ये बीजेपी में शामिल हो जाएंगे.। केजरीवाल ने कहा, श्श्विसाबदर का परिणाम बता रहा है कि जनता ने हमें विकल्प के रूप में स्वीकार कर लिया है. अब बीजेपी की विदाई तय है और आम आदमी पार्टी की सरकार आने वाली है. अब हमने 'गुजरात जोड़ो अभियान' का आगाज कर दिया है. हमारे कार्यकर्ता घर–घर जायेंगे और लोगों को आप से जोड़ेंगे.

त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा कर सकते हैं मंत्रिमंडल विस्तार

त्रिपुरा, (एजेंसी)। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा बृहस्पतिवार को अपने मंत्रिमंडल का विस्तार

कर सकते हैं। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 2023 के विधानसभा चुनाव में सत्ता पर लौटने के बाद साहा मुख्यमंत्री बने। पिछले साल लोकसभा चुनाव से पहले टिपरा मोथा पार्टी (टीएमपी) के उनकी सरकार में शामिल होने के बाद उन्होंने पार्टी के दो विधायकों को अपने मंत्रिमंडल में शामिल किया। सरकार के एक निमंत्रण पत्र में बुधवार को कहा गया है, ''त्रिपुरा के राज्यपाल द्वारा मंत्री–मंत्रियों के शपथ ग्रहण समारोह के अवसर पर त्रिपुरा सरकार के मुख्य सचिव तीन जुलाई को अपराह्न डेढ़ बजे दरबार हॉल, राजभवन में आपकी उपस्थिति की अपील करते हैं।'' मुख्यमंत्री ने मंगलवार को अगरतला में राजभवन में राज्यपाल एन. इंद्रसेन रेड्डी से मुलाकात की थी। हालांकि, बुधवार को पत्रकारों के सवालों के जवाब में उन्होंने संभावित मंत्रिमंडल विस्तार पर बोलने से इनकार कर दिया था। अभी साहा 11 सदस्यीय मंत्रिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं जबकि एक पद अब भी रिक्त है। इस 11 सदस्यीय मंत्रिमंडल में मुख्यमंत्री समेत भाजपा के आठ सदस्य हैं जबकि टीएमपी के दो मंत्री और इंडिजिनस पीपुल्स फ्रंट ऑफ त्रिपुरा (आईपीएफटी) का एक सदस्य है।

कर्ज में डूब रहे किसान, लेकिन मोदी सरकार बेफिक्र, राहुल गांधी ने सरकार पर साधा निशाना

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को महाराष्ट्र में किसानों की आत्महत्या को लेकर मोदी सरकार पर हमला बोला और कहा कि वह किसानों की दुर्दशा के प्रति उदासीन है, जबकि किसान दिन–प्रतिदिन कर्ज में डूबते जा रहे हैं। हिंदी में एक्स पर एक पोस्ट में, लोकसभा में विपक्ष के नेता ने सरकार पर किसानों की कर्ज माफी और फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (डैच) की कानूनी गारंटी की मांगों की अनदेखी करने का आरोप लगाया। राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा कि सोचिए.. सिर्फ 3 महीनों में महाराष्ट्र में 767 किसानों ने आत्महत्या कर ली। क्या ये सिर्फ एक आंकड़ा है? नहीं। ये 767 उजड़े हुए घर हैं। 767 परिवार जो कभी नहीं संभल पाएंगे। और सरकार?

चुप है। बेरुखधि से देख रही है। उन्होंने आगे लिखा कि किसान हर दिन कर्ज में और गहराई तक डूब रहा है – बीज महंगे हैं, खाद महंगी है, डीजल महंगा है.. लेकिन डैच की कोई गारंटी नहीं। जब वो कर्ज माफी की मांग करते हैं, तो उन्हें नजरअंदाज कर दिया जाता है। लेकिन जिनके पास करोड़ों हैं? उनके लोन मोदी सरकार आराम से माफ कर देती है। आज की ही खबर देख लीजिए – अनिल अंबानी का घ्48,000 करोड़ का ठप "फ्रॉड"। सरकार पर वार करते हुए राहुल ने कहा कि मोदी जी ने कहा था, किसान की आमदनी दोगुनी करेंगे – आज हाल ये है कि अन्नदाता की जिंदगी ही आधी हो रही है। ये सिस्टम किसानों को मार रहा है – चुपचाप, लेकिन लगातार और मोदी जी अपने ही च्त का तमाशा देख रहे हैं। बुधवार को विपक्षी सदस्यों ने राज्य में किसानों की आत्महत्या और सोयाबीन की खेती करने वाले किसानों को बकाया भुगतान न किए जाने के मुद्दे पर महाराष्ट्र विधानसभा से दो बार वॉकआउट किया। कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार ने विधानसभा में दावा किया कि इस साल जनवरी से मार्च के बीच महाराष्ट्र में 767 किसानों ने आत्महत्या की। उन्होंने कहा कि 200 मामलों को सहायता के लिए अयोग्य घोषित किया गया।

, जबकि 194 मामलों में जांच लंबित है। भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने पलटवार करते हुए एक्स पर एक चार्ट साझा किया,।

संपादकीय

जानलेवा जाम

निस्संदेह, हाल के वर्षों में भारत में राष्ट्रीय राजमार्गों व एक्सप्रेस–वे आदि का आशातीत विस्तार हुआ है। सड़कों के नेटवर्क सुधार से उपभोक्ताओं के समय व धन की बचत हुई है तो उद्योग–व्यापार को भी गति मिली है। लेकिन इससे जुड़ी तमाम विसंगतियां भी सामने आई हैं। सड़कों के त्रुटिपूर्ण डिजाइन व निर्माण में चूक को लेकर भी सवाल उठते रहे हैं। पिछले हफ्ते मध्यप्रदेश में लगातार 40 घंटे लगे जाम से जहां हजारों लोगों को घंटों परेशान होना पड़ा, वहीं जाम में फंसकर तीन लोगों की मौत हुई है। निश्चय ही यह घटना दुर्भाग्यपूर्ण है, जिसको लेकर शासन–प्रशासन के साथ ही भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण यानी एनएचएआई को गंभीरता से लेना चाहिए। उन तमाम आशंकाओं को टालना चाहिए जो भविष्य में ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति के कारक बन सकते हैं। बहरहाल, मध्यप्रदेश की घटना को लेकर एनएचएआई की आलोचना की जा रही है। इस घटना के बारे में एनएचएआई के एक अधिकारी की संवेदनहीन टिप्पणी को लेकर भी सवाल उठे हैं। यहां तक कि मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने भी एनएचएआई के रुख को कठोर और संवेदनहीन बताया है, जो जमीनी हकीकत को नजरअंदाज करने वाला है। दरअसल, एक जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान अदालत ने एनएचएआई को दोषपूर्ण और देर से सड़क निर्माण के लिये फटकार लगायी है, जिसके कारण आगरा–मुबई राष्ट्रीय राजमार्ग के इंदौर–देवास खंड में जाम लग गया था। बताते हैं कि एनएचएआई के कानूनी सलाहकार ने इस बाबत संवेदनहीन टिप्पणी की कि लोग बिना किसी काम के घर से इतनी जल्दी क्यों निकलते हैं? इस टिप्पणी ने लोगों में आक्रोश पैदा कर दिया। निश्चित रूप से इस दुर्घटना और हजारों लोगों के घंटों जाम में फंसे रहने के मामले में जहां एनएचएआई की तरफ से माफी मांगने की जरूरत थी, वहीं उसने दुर्भाग्यपूर्ण घटना के लिये दोष लोगों पर लगाते हुए असंवेदनशील बयान दे डाला। जिसके खिलाफ तल्ख प्रतिक्रिया होना स्वाभाविक था। यही प्रतिक्रिया अदालत की टिप्पणी में भी झलकती है। इसमें दो राय नहीं कि अकसर बड़ी सड़कों और राजमार्ग परियोजनाओं के निर्माण के दौरान अंतहीन असुविधा भारतीय यात्रियों के लिए रोजमर्रा के अनुभव हैं। अधिकांश साइटों पर निर्माण से जुड़ी, यात्रियों के अनुकूल सर्वोत्तम परंपराओं को अपनाना और यातायात में व्यवधान को कम से कम करना सुनिश्चित नहीं किया जाता है। निस्संदेह, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय संभाल रहे केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी की सक्रियता व प्रतिबद्धता की अकसर सराहना होती रहती है। वे सड़कों की गुणवत्ता और सुरक्षा मापदंडों को बढ़ाने को लेकर लगातार अभियान चलाते भी रहते हैं। हालांकि, वे भी मानते रहे हैं कि अभी सुधार की काफी गुंजाइश है। निस्संदेह, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण निरंतर यातायात को सुगम मानकों के अनुरूप बनाने के लिये प्रयासरत रहता भी है। निश्चित रूप से स्थलों की स्थिति और भूमि अधिग्रहण के तमाम विवाद भी हैं, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण काम राजमार्गों की व्यावहारिक दिक्कतों को दूर किया जाना होना चाहिए। दरअसल, योजनाओं का धरातल पर क्रियान्वयन बड़े पैमाने पर निर्माण फर्मों और ठेकेदारों के माध्यम से किया जाता है।

एक साल बाद आपराधिक कानूनों की दिशा-दशा

के.पी.

तीन नये आपराधिक कानून 1 जुलाई, 2024 को इस उम्मीद के साथ लागू किए गए थे कि भारत में ब्रिटिश काल से चली आ रही आपराधिक न्याय प्रणाली नागरिकों को न्याय प्रदान करने और सुरक्षा और संरक्षण की गारंटी देने वाली एक जन–केन्द्रित, प्रगतिशील, उद्देश्यपूर्ण एवं सक्षम संस्था के रूप में बदल जाएगी। यद्यपि किसी कानून के लागू होने के बाद एक वर्ष का समय लोगों की अपेक्षाओं को पूरा करने में इसकी सफलता या विफलता के बारे में कुछ भी

महत्वपूर्ण निष्कर्ष निकालने के लिए पर्याप्त नहीं है, तथापि यह समय कानून के कार्यान्वयन में आने वाली बाधाओं और अवरोधों की पहचान करने के लिए पर्याप्त संकेत छोड़ जाता है। नए कानूनों के लागू होने से पहले, कई कानून विशेषज्ञों ने उनकी उपयोगिता और व्यावहारिकता के बारे में आशंका व्यक्त की थी। यह सराहनीय है कि न्याय प्रणाली की सभी शाखाओं ने धारा–संख्या और उसमें निहित प्रावधानों में किए गए बदलावों को अच्छी तरह से स्वीकार और अंगीकार किया है। पहले दिन से ही उन्हें बिना किसी समस्या के व्यवहार में लाना शुरू कर दिया है। पूरे देश में नए कानूनों के अनुसार प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफ.आई.आर.) दर्ज की जा रही है और उनकी जांच की जा रही है। ऐसा केवल व्यापक पैमाने पर चलाए गए प्रशिक्षण अभियान के कारण ही सम्भव हो पाया है, जिसकी परिकल्पना और योजना गृह मंत्रालय द्वारा बनाई गई थी, और जिसे सभी हितधारकों द्वारा उत्साहपूर्वक अपनाया गया है। यहां तक कि विधि–विद्यालयों ने भी शैक्षणिक पाठ्यक्रमों में हुए इन बदलावों को बिना किसी कठिनाई के आत्मसात कर लिया है। महिलाओं और बच्चों के विरुद्ध अपराधों को नए कानूनों में सबसे अधिक वरीयता देकर यह संदेश दिया गया है कि सरकार महिलाओं और अवयस्कों की सुरक्षा और संरक्षण के प्रति संवेदनशील है। पुलिस ने इन प्रावधानों का बखूबी प्रयोग किया है। इसके अतिरिक्त, सजा के प्रावधानों का अपराध की संगीनता के अनुसार सरलीकरण करके दण्ड–विधान को सुधारात्मक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, यद्यपि इसके परिणाम कुछ वर्षों बाद ही देखने को मिल सकेंगे। भारत की संप्रभुता, एकता और अखण्डता सबसे महत्वपूर्ण है, और यह भारतीय न्याय संहिता, 2023 (बीएनएस) की धारा 48 के प्रावधानों में विशेष रूप से दृष्टिगोचर होता है। इस धारा में, देश के बाहर बैठकर भारत में अपराध को बढ़ावा देने वाले राष्ट्र विरोधी तत्वों के विरुद्ध मामला दर्ज करने का प्रावधान किया गया है। ऐसे मामलों में अपराधियों के विरुद्ध मुकदमों की सुनवाई भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 (बीएनएसएस) की धारा 356 के अनुसार आरोपियों की अनुपस्थिति में भी की जा सकती है। हालांकि यह एक कटु सत्य है कि इन धाराओं का आतंकवादियों और गैंगस्टरों के खिलाफ नगण्य प्रयोग किया गया है, फलस्वरूप विदेशों में बैठकर भारत में फिरौती के लिए कॉल करने और आतंकवाद को भड़काने जैसी गतिविधियां रुक नहीं पाई हैं। वहीं दूसरी ओर, देश की सम्प्रभुता, एकता और अखण्डता अक्षुण्ण रखने के उद्देश्य से नए कानूनों में जोड़ी गई धारा 152 भारतीय न्याय संहिता के दुरुपयोग की शिकायतें निरंतर अखबारों की सुर्खियां बन रही हैं। ऐसे आरोप लग रहे हैं कि इस धारा का प्रयोग अभिव्यक्ति की आजादी पर कुठाराघात करने के लिए किया जा रहा है। ऐसे अनेक मामलों में उच्चतम न्यायालय सुनवाई कर रहा है। मुकदमों के अनुसंधान को पारदर्शी और उच्चस्तरीय बनाने के उद्देश्य से प्रक्रिया का डिजिटलीकरण करने के प्रावधान नए कानूनों की विशेषता है। फारेंसिक जांच का दायरा अनुसंधान प्रक्रिया में बढ़ाकर जांच को निष्पक्ष और प्रभावी बनाया गया है। परन्तु यह चिन्ता का विषय है कि अब तक डिजिटलीकरण और फारेंसिक प्रयोगशालाओं को स्थापित करने की गतिविधियां उतनी रफ्तार से नहीं चल पाई हैं जितनी चलनी चाहिए थी। राज्य सरकारों के सीमित वित्तीय संसाधन इसके लिए कहीं न कहीं जिम्मेदार हैं। हालांकि, केन्द्र सरकार ने राज्यों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं, जिनमें 'महिलाओं और बच्चों के खिलाफ साइबर अपराधों की रोकथाम', 'साइबर न्यायवैधिक प्रशिक्षण प्रयोगशालाओं की स्थापना' और 'पुलिस के आधुनिकीकरण के लिए राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों को वित्तीय सहायता' देना सम्मिलित है। संसाधन वृद्धि और क्षमता निर्माण के लिए इन योजनाओं का उपयोग करना राज्यों पर निर्भर करता है। पारम्परिक लाठीधारी सिपाहियों को एक तकनीक–प्रेमी पुलिस बल के रूप में बदलने के लिए पर्याप्त संख्या में साइबर–साक्षर और डिजिटल रूप से प्रशिक्षित जन–शक्ति की भर्ती करना, वित्तीय संकट और राजनीतिक आकाओं की अनिच्छा के कारण एक बड़ी चुनौती बन कर रह गई है। अभी तक, पुलिस विभाग कम शिक्षित ग्रामीण युवाओं के लिए रोजगार का मुख्य स्रोत है और भर्ती नीति में किसी भी बदलाव का जन–प्रतिनिधियों द्वारा कड़ा विरोध होने वाला है। न्याय प्रणाली से जुड़ी अन्य संस्थाओं का भी कमोबेश यही हाल है। आपराधिक न्याय प्रणाली के घटकों के कामकाज के आपसी समन्वय के लिए आवश्यक नए नियमों और प्रोटोकॉल तथा सॉफ्टवेयर को विकसित करना नए आपराधिक कानूनों को पूरी तरह से क्रियान्वित करने के लिए आवश्यक है। यही प्रक्रिया अभी भी प्रारम्भिक अवस्था में है। यह एक बहुत बड़ा कार्य है जिसे गृह विभाग के कामकाज के नियमों, उच्च न्यायालय के नियमों और आदेशों, पुलिस नियमों, जेल मैनुअल और अभियोजन एजेंसी के कर्तव्यों के चार्टर की समीक्षा करके उसमें बदलाव करने पर ही पूरा किया जा सकता है। एकीकृत कमान के अन्तर्गत इन नियमों को अन्तिम रूप देने के लिए सभी हितधारकों के मिल बैठकर विचार करने की आवश्यकता है। आपराधिक न्याय प्रणाली की अलग–अलग शाखाओं द्वारा पुराने नियमों को नए सांचे में ढालने के प्रयास पर्याप्त नहीं होंगे क्योंकि सभी शाखाओं के समन्वय से ही सक्षम नियम और प्रोटोकॉल निर्धारित किए जा सकते हैं। नए आपराधिक कानूनों को पेश करते समय यह घोषित किया था कि ये कानून जन–केन्द्रित और न्यायोन्मुखी होंगे। इसके लिए अपराध–पीड़ितों के कल्याण और 'गवाहों की सुरक्षा, पीड़ितों को क्षतिपूर्ति' और जांच तथा अभियोजन कार्यवाही।

पिघलते ग्लेशियरों में जल संकट की आहट

ज्ञानेन्द्र

दुनियाभर के ग्लेशियर खत्म होने की कगार पर हैं। वे तेजी से पिघल रहे हैं। अगर इनके पिघलने की यही रफ्तार जारी रही तो आने वाले दशकों में दुनिया एक–एक बूंद पानी को तरस जायेगी। दरअसल, जलवायु की प्रचंड आंधी ग्लेशियरों को निगल रही है। यह केवल बर्फ का पिघलना नहीं हैय इससे बाढ़, भूस्खलन और हिमस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाओं का खतरा बढ़ता है, साथ ही यह बुनियादी ढांचे, कृषि उत्पादन और जलीय–स्थलीय पारिस्थितिक तंत्र पर भी नकारात्मक प्रभाव डालता है। वैज्ञानिकों की मानें तो साल 2000 से 2023 के बीच बर्फ के ये पहाड़ यानी ग्लेशियर 650,000 करोड़ टन बर्फ खो चुके हैं। यह सिलसिला जारी है। वेनेजुएला पहला देश है जिसने जलवायु परिवर्तन के असर के चलते अपने सभी ग्लेशियर खो दिये। बीसवीं सदी के मध्य में पश्चिमी संयुक्त राज्य अमेरिका में करीब 400 ग्लेशियर गायब हुए। ग्लेशियरों के पिघलने की स्थिति अंटार्कटिका, आर्कटिक, ग्रीनलैंड, आल्प्स, रॉकीज, आइसलैंड, हिंदूकुश, स्विट्जरलैंड या ब्रिटेन–सभी जगह लगभग एक जैसी है। वर्ष 2010 से पहले आर्कटिक और अंटार्कटिका में जो बर्फ की चादर बिछी होती थी, उसमें लाखों वर्ग किमी की कमी हो गयी है। अंटार्कटिका का सबसे बड़ा हिमखंड ए 23 फिर खिसक रहा है जो महासागरों की धाराओं द्वारा बहाकर लाया गया है और अभी दक्षिण जार्जिया के गर्म जल की ओर बढ़ रहा है। यहां यह टूटकर पिघलने की प्रक्रिया में है। बर्फ के प्राकृतिक रूप से बढ़ने की क्रिया के कारण यह हिमखंड टूटकर अलग हुआ है। वैज्ञानिक मानते हैं कि यह सब जलवायु परिवर्तन के कारण हो रहा है जिसने समुद्र का जलस्तर बढ़ने का खतरा पैदा कर दिया है। ग्रीनलैंड में जहां बीते 13 साल में 2,347 क्यूबिक किलोमीटर बर्फ गायब हो गयी है। ग्रीनलैंड की बर्फ पिघलने से दुनियाभर में समुद्र के जलस्तर में बदलाव हुआ। मौसम के पैटर्न में भी बदलाव सामने आया है। स्विट्जरलैंड के प्रसिद्ध रोन ग्लेशियर सहित आल्प्स पर्वत शृंखला के कई ग्लेशियरों में बर्फ के नीचे सुरंगें और गड्ढे हो गये हैं। तेजी से बढ़ रहे तापमान के कारण अब ग्लेशियर सिर्फ पिघल नहीं रहे हैं, भीतर से खोखले भी हो रहे हैं। हिंदूकुश क्षेत्र के ग्लेशियर से नवम्बर से मार्च तक बर्फ में 23.6 फीसदी की रिकॉर्ड गिरावट दर्ज हुई है। यह बीते 23 सालों में सबसे कम है। नतीजन पूरे दक्षिण एशियाई क्षेत्र में जल संकट का खतरा मंडरा रहा है। बर्फबारी में यह गिरावट लगातार तीसरे साल दर्ज की गयी है। जलवायु बदलाव और स्थलाकृति के कारण मध्य हिमालय का एक ग्लेशियर तेजी से खिसक रहा है। ग्लेशियरों की चिंताओं के बीच यह नया संकट है। दरअसल, ग्लेशियर आगे की ओर खिसकने की घटनाएं अभी तक अलास्का, कराकोरम और नेपाल में सामने आती थीं। वैज्ञानिक इसमें ग्लोबल वार्मिंग, तापीय इफेक्ट और उस इलाके की टोपोग्राफी को मुख्य वजह मान रहे हैं। वैज्ञानिक इस ग्लेशियर का उद्गम भारत में और निकास तिब्बत की ओर मानते हैं। इससे तिब्बत से लेकर धौलीगंगा तक बाढ़ का खतरा बना हुआ है। ग्लेशियर में इस बदलाव की स्थिति निचले इलाकों के लिए खतरनाक हैं। ग्लोबल वार्मिंग वैश्विक स्तर पर मौजूद ग्लेशियरों को नुकसान पहुंचा रही है। वह हिमालयी क्षेत्र में 37,465 वर्ग किलोमीटर में फैले कुल 9575 ग्लेशियरों को भी अपनी चपेट में ले चुकी है। ये ध्रुवीय क्षेत्र के बाहर दुनिया के सभी पर्वतीय क्षेत्रों में जमे ताजे पानी के सबसे बड़े भंडार हैं। इसे विश्व का तीसरा ध्रुव भी कहते हैं। एशिया की 10 प्रमुख नदियों को पानी देने वाले इन ग्लेशियरों से सिंधु, गंगा, ब्रह्मपुत्र जैसी तीन नदियां विभाजित हुई हैं।,

..... विविध .....

कुत्ते के काटने से कबड्डी प्लेयर गई की जान

उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले से एक बेहद दर्दनाक और चौंकाने वाली खबर सामने आई है। 22 वर्षीय कबड्डी खिलाड़ी बृजेश सोलंकी, जो राज्य स्तर पर गोल्ड मेडलिस्ट रह चुके थे और प्रो कबड्डी लीग की तैयारी कर रहे थे, उनकी मौत रेबीज जैसी जानलेवा बीमारी से हो गई। यह बीमारी उन्हें एक पिल्ले के काटने से हुई थी।

कैसे हुआ हादसा?

मार्च 2025 में बृजेश के गांव फराना में एक दिन एक कुत्ते का छोटा बच्चा (पिल्ला) गांव की नाली में गिर गया था। इंसानियत दिखाते हुए बृजेश ने उसे बाहर निकालने की कोशिश की। इस दौरान पिल्ले ने उनके दाहिने हाथ की उंगली में काट लिया। चोट हल्की थी, इसलिए बृजेश ने इसे मामूली समझकर नजरअंदाज कर दिया। उन्होंने एंटी–रेबीज वैक्सीन नहीं लगवाया, जो कि एक जानलेवा भूल साबित हुई।

दो महीने बाद बिगड़ी तबीयत

लगभग दो महीने बाद, जून 2025 में बृजेश को अपने दाहिने हाथ में सुन्नपन महसूस होने लगा। फिर धीरे–धीरे उनके पूरे शरीर में ठंडक, जलकांटा (पानी से डर) और अजीब से झटके आने लगे। हालत गंभीर होती चली गई। परिजन उन्हें अलीगढ़, मथुरा और फिर दिल्ली के अस्पतालों में ले गए, जहां आखिरकार रेबीज की पुष्टि हुई। लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। 27 जून को दिल्ली से गांव लौटते समय रास्ते में ही बृजेश ने दम तोड़ दिया। उनकी तड़पते हुए हालत का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसने सबको झकझोर दिया।

रेबीज क्या है और कितना खतरनाक है?

रेबीज एक वायरल बीमारी है जो मुख्य रूप से संक्रमित जानवरों के काटने से फैलती है। इसका वायरस नर्वस सिस्टम को प्रभावित करता है और सीधे दिमाग तक पहुंचकर सूजन (इंसेफेलाइटिस) पैदा करता है। इसके कारण इंसान को लकवा, कोमा और अंत में मौत हो सकती है। ॅभ् के मुताबिक, हर साल दुनियाभर में 26,000 से 59,000 लोग रेबीज से मरते हैं, जिनमें ज्यादातर मामले एशिया और अफ्रीका से होते हैं।

कितनी तेजी से फैलता है रेबीज?

काटने के स्थान, गहराई और वायरस की मात्रा पर रेबीज का असर निर्भर करता है। आमतौर पर वायरस को दिमाग तक पहुंचने में 1 से 3 महीने लगते हैं।

कुछ मामलों में यह 1 हफ्ते से भी कम या 1 साल तक का समय भी ले सकता है। वायरस की रफ्तार लगभग 3 से 12 मिलीमीटर प्रतिदिन होती है।

बचाव ही सबसे बड़ा इलाज

रेबीज का कोई इलाज नहीं है, लेकिन अगर समय पर टीका लग जाए तो 100: बचाव संभव है। अगर किसी भी जानवर, खासकर कुत्ते या बिल्ली के काटने, खरोंचने या चाटने से चोट लगे, तो तुरंत–

घाव को साबुन और पानी से धोएं,

पास के अस्पताल में जाकर एंटी रेबीज टीका लगवाएं,

और डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

एक टीका, जो बचा सकता था जान बृजेश की मौत ने सबको सोचने पर मजबूर कर दिया है कि थोड़ी सी जागरूकता और सतर्कता किसी की जान बचा सकती है। उनकी कहानी सिर्फ एक हादसा नहीं, बल्कि हर इंसान के लिए एक चेतावनी है कभी भी किसी जानवर के काटने को हल्के में न लें।

8 चीजें हैं जबरदस्त पेनकिलर, दर्द हो तो गोली नहीं इसे खाओ

पेनकिलर दवाइयां ये नाम इतना आम हो गया है कि शायद ये दवाइयां आपको लगभग हर घर में आसानी से मिल जाएंगी। जरा सा सिरदर्द–कमर दर्द हुआ तो तुरंत आराम के लिए पेनकिलर खा ली जाती है लेकिन ये पेनकिलर आपके शरीर के अंदरूनी अंगों पर कितना असर डाल रहे हैं शायद आप उनसे अनजान है। पेनकिलर के आदी हुए लोग इसके साइट इफेक्ट्स को अनदेखा कर रहे हैं जो लिवर, दिल और किडनी पर असर डालते हैं जबकि सिर दर्द, जोड़ों का दर्द, मासिक धर्म दर्द आदि से राहत के लिए हर बार पेनकिलर लेना जरूरी नहीं होता। कुछ प्राकृतिक सुपरफूड्स ऐसे हैं जिनमें एंटी–इंफ्लेमेटरी और दर्द निवारक (चंपद–तमसपमअपदह) गुण पाए जाते हैं जो शरीर में दर्द को प्राकृतिक रूप से कम कर सकते हैं वो भी बिना किसी नुकसान के जबकि पेनकिलर खाने के नुकसान ही नुकसान हैं। जब दर्द हो तो पेनकिलर की जगह कुछ फल भी खाए जा सकते हैं जो प्राकृतिक दर्द निवारक के रूप में काम करते हैं। पपीता, ब्लूबेरी, और अदरक जैसे फल दर्द कम करने में मदद कर सकते हैं।

पेन किलर के नुकसान

एलोपैथिक दवाइयां हार्ट ब्लॉकेज, हार्ट अटैक, लिवर और किडनी फेल होने की वजह भी बन सकती हैं। हालांकि, पहले लोग आयुर्वेदिक दवाइयों और घरेलू नुस्खों को इस्तेमाल करते थे। भले ही ये असर धीरे–धीरे करती हैं लेकिन इन प्राकृतिक नुस्खों का किसी तरह का कोई साइड इफेक्ट भी नहीं है।

किचन में ही मिलेंगे ये 8 पेनकिलर सुपरफूड्स

जिन चीजों का इस्तेमाल आप रोजाना खाने बनाने में करते हैं, वही चीजें सुपरफूड्स का काम देती हैं। चलिए इन सुपरफूड्स के फायदों के बारे में जानते हैं।

1. हल्दी

हल्दी में पाए जाने वाले एंटी–सेप्टिक और एंटी–इन्फ्लेमेटरी गुण, नैचुरल पेन किलर का काम करते हैं। अंदरूनी और बाहरी चोट ठीक करने में यह बहुत असरदार है। अंदरूनी चोट को ठीक करने के लिए दूध में हल्दी डालकर कुछ दिन लगातार पिएं। बाहरी चोट है तो इसके लिए हल्दी को प्याज के रस में मिलाकर चोट पर लगाएं। इससे सूजन और दर्द से राहत मिलेगी। हल्दी में पाया जाने वाला कर्क्यूमिन (ब्नतबनउपद) एक शक्तिशाली एंटी–इंफ्लेमेटरी एजेंट है जो सूजन और जोड़ों के दर्द में राहत देता है। इसे दूध में मिलाकर पीने से गठिया, सिर दर्द, मांसपेशियों के खिंचाव और चोट के दर्द में फायदा होता है।

2. अदरक

अदरक में जिंजरोल (ळपदहमतवस) नामक तत्व होता है जो प्राकृतिक पेनकिलर की तरह काम करता है। पेट दर्द, अपच या फिर पाचन संबंधी परेशानी है तो नींबू के रस में अदरक के रस की कुछ बूंदे मिलाकर पिएं। इससे जल्द आराम मिलेगा। सूजन वाली जगह पर अदरक के तेल से मसाज से भी फायदा मिलता है। अदरक वाली चाय सर्दी–जुकाम में बेस्ट मानी जाती है, इसके लिए आपको दवा लेने की जरूरत नहीं पड़ेगी। यह मासिक धर्म के दर्द, मांसपेशियों में ऐंठन और माइग्रेन में उपयोगी है। आप इसे चाय में या कच्चा अदरक शहद के साथ ले सकते हैं।

3. लहसुन

लहसुन में भी कई तरह के एंटीऑक्सीडेंट्स और एंटी–इंफ्लेमेटरी तत्व होते हैं। आपकी नसों की सफाई करने में लहसुन सबसे कारगर है। जिन्हें गठिया है उनके लिए तो यह बहुत

बढ़िया है। दांत दर्द और सिरदर्द जैसी स्थितियों में बहुत फायदेमंद है। बस खाली पेट 1–2 कच्ची लहसुन की कलियां खाना फायदेमंद होता है।

4. कॉफी

कॉफी में मौजूद लो डोज वाला कैफीन दर्द को नैचुरल तरीके से दूर करने का काम करता है। सिर दर्द या तनाव महसूस कर रहे हैं तो 1 कप कॉफी का सेवन करें, लेकिन इस बात का ख्याल जरूर रखें कि दिन में 2 कप से ज्यादा कॉफी नहीं पिएं। वहीं जिन लोगों को हाई बीपी की शिकायत पहले से ही है वो भी कॉफी का सेवन पूछकर ही करें।

5. ओमेगा–3 युक्त फूड्स (जैसे अलसी, अखरोट, मछली)

ओमेगा–3 फैटी एसिड्स शरीर में सूजन कम करते हैं। जोड़ों के दर्द, पीठ दर्द और सिर दर्द में यह बहुत असर दिखाती है। शाकाहारी लोग अलसी के बीज और अखरोट खा सकते हैं। वही ओमेगा–3 का बेस्ट सोर्स मछली भी है। सी फूड खाने में टेस्टी ही नहीं, बल्कि हेल्थ के लिए भी बहुत अच्छी मानी जाती है। सालमन और मैकेरल फिश में ओमेगा–3 फैटी एसिड होते हैं, जो पेनकिलर रिलीफ का काम करता है। इसी के साथ इसमें विटामिन डी होता है। जोड़ों के दर्द, यूरिक एसिड की प्रॉब्लम में सालमन फिश खानी बेस्ट मानी जाती है।

6. ब्रोकली और पत्तेदार सब्जियां खासकर मिंट

हरी पत्तेदार सब्जियां कई तरह से आपको फायदा पहुंचाती है। इनमें कैल्शियम, मैग्नीशियम और फोलेट जैसे तत्व होते हैं जो मांसपेशियों के दर्द और पीठ दर्द में राहत पहुंचाते हैं। खासकर महिलाओं को मासिक धर्म के दौरान इनका सेवन करना चाहिए। मिंट यानि पुदीना भी दर्द निवारक का काम करता है। पेट की गैस, सीने में जलन, अपच, पेट दर्द आदि की परेशानी हो तो मिंट टी का सेवन करें। यह वजन कम करने में भी मददगार है।

7. ऑलिव ऑयल

ऑलिव ऑयल भी पेनकिलर का काम करता है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट पॉलीफेनॉल पाया जाता है जो दर्द को कम करने में मदद करता है। मक्खन की जगह ऑलिव ऑयल का इस्तेमाल करना बेहतर विकल्प है। इसमें मौजूद हाई सैचुरेटेड फैट, दर्द कम करने के साथ–साथ हड्डियों को भी मजबूत बनाता है। एक टेबलस्पून ऑलिव ऑयल में 120 कैलोरी पाई जाती है।

8. नट्स

बादाम व अखरोट में मौजूद ओमेगा–3 फैटी एसिड और एंटी–ऑक्सीडेंट्स दर्द से आराम दिलाने में सहायक है। आप सलाद में इसे शामिल कर सकते हैं या फिर लंच के बाद इसे लें।

9. स्ट्रॉबेरी–ब्लूबेरी या पपीता

स्ट्रॉबेरी में विटामिन–सी और एंटीऑक्सीडेंट व दर्द को कम करने वाले तत्व पाए जाते है। एक रिसर्च में पाया गया था कि जिन लोगों की सर्जरी हुई हो, उनके लिए विटामिन–सी का सेवन बेहद कारगर साबित होता है। यह दर्द को कम कर जल्द रिकवरी करने में मदद करता है। ब्लूबेरी में एंटीऑक्सिडेंट और पॉलीफेनोल्स होते हैं, जो सूजन और दर्द को कम करने में मदद करते हैं। पपीता में पपैन नामक एक एंजाइम होता है जो एक प्राकृतिक दर्द निवारक का काम करता है। आप पपीते को कच्चा खा सकते हैं या इसका जूस या स्मूदी बनाकर पी सकते हैं

जबरन धर्मांतरण करवाए गए 15 लोगों की हुई घर वापसी

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में बृहस्पतिवार को जबरन हिंदू धर्म से इस्लाम में धर्मांतरण कराए गए 15 लोगों की घर वापसी कराई गई। लखनऊ के गोमती नगर में विश्व हिंदू रक्षा परिषद के सदस्यों द्वारा शंख ध्वनि और मंत्रोच्चारण के साथ इन 15 लोगों की विधिवत हिंदू धर्म में वापसी कराई गई। इस मौके पर भारी पुलिस बल की मौजूदगी रही। परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल राय ने जानकारी दी कि बलरामपुर में गजवा–ए–हिंद का मजबूत चेहरा छांगुर पीर मोहम्मद अहमद खान और अब्दुल माबूद रजा लोगों का जबरन या जाल रचकर धर्मांतरण करवाते हैं। कुछ लड़कियां जो अपने माता पिता की इकलौती संतान हैं या कमजोर वर्ग की थीं उन्हें शिकार बनाया गया। धर्म बदलने के अलावा उनकी संपत्तियों पर भी कब्जा किया। इन लोगों को विदेशों से अच्छी खासी फंडिंग मिलती है। गोपाल राय ने इस पूरे मामले की जांच कर जाने की मांग उठाई है। उन्होंने बताया कि एसटीएफ समेत कई थानों में इनके ऊपर मुकदमें हैं। कहा जा रहा है कि विदेशों से मिली फंडिंग और और तरह–तरह के जाल रचते हुए छांगुर पीर मोहम्मद ने लगभग तीन हजार लोगों का इस्लाम में धर्मांतरण कराया है। उत्तर प्रदेश में हुए कमलेश तिवारी और चंदन गुप्ता की हत्या से इनके तार जुड़े हुए हैं।

किसी तरह का विवाद न हो इसलिए नेमप्लेट लगाने की बात कही गई : राजभर

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी सरकार के मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि कोई भी त्योहार शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न हो इसके लिए सरकार प्रयास करती है। सरकार ने कांवड़ यात्रा में पड़ने वाले ढाबों पर नेमप्लेट लगाने की बात इसलिए कही है कि जिससे किसी भी तरह का विवाद न उत्पन्न हो। उन्होंने कहा कि कांग्रेस, बसपा और सपा के लोगों ने जो नफरत का बीज बोया है उससे निजात दिलाने में उपद्रव न हो इसलिए सरकार ने ये फैसला लिया है। सरकार जो भी योजना बना रही है। सभी जाति और धर्म के लोगों के लिए बना रही है। अगर में एयर कनेक्टिविटी की बात करें तो कहां लिखा है कि सिख, ईसाई और जैन हवाई यात्रा नहीं करेंगे। सभी लोग यात्राएं कर रहे हैं। ट्रेन में कोई रोक नहीं है। होटल में कोई रोक नहीं है। चाय की दुकान पर कोई रोक नहीं है। ढाबे पर नेमप्लेट इसलिए जरूरी है कि किसी भी तरह का विवाद न हो। उन्होंने कहा कि विपक्ष हमेशा विरोध की राजनीति करता है। इन लोगों ने सीएए और एनआरसी का खुलकर विरोध किया था और कहा था कि ये मुसलमानों की नागरिकता छीनने का कानून है जबकि सरकार उनको नागरिकता देने का कानून लेकर आई थी। ये लोग सत्ता के खिलाफ रहते हैं। उसी कड़ी में बयान दे रहे हैं। राजभर सपा विधायक रविदास मल्होत्रा के उस बयान का जवाब दे रहे थे जिसमें कहा गया था कि जिस तरह पहलगाम में आतंकियों ने लोगों को धर्म पूछकर मारा। ठीक उसी तरह सरकार भी लोगों की धार्मिक पहचान उजागर कर रही है।

संक्षिप्त खबरें

उद्योगों में 20 से 40 फीसदी की तक की छूट, निवेश की बढ़ेंगी संभावनाएं

लखनऊ, (संवाददाता)। नया डीएम सर्किल रेट उद्योगों को बढ़ावा देने वाला है। तय मानकों के साथ कई अलग–अलग औद्योगिक इकाइयों की क्रय–बिक्री व नई ईकाइयों को लगाने में 20 से लेकर 40 फीसदी तक की छूट का प्रावधान किया गया है। प्रशासन को उम्मीद है कि इससे औद्योगिक क्षेत्र के विकास में अहम योगदान होगा। निवेश की संभावनाएं भी बढ़ेंगी। नगर निगम सीमा के अंतर्गत स्थापित सीमेंट फैक्टरी, राइस मिल, आटा मिल, शुगर मिल, कोल्ड स्टोरेज, ईंट–भट्ठा, वेयर हाउस व अन्य औद्योगिक इकाइयों के क्रय और विक्रय पर 20 फीसदी की छूट दी गई है। इसी तरह से नगर निगम सीमा के बाहर एक हजार वर्गमीटर तक की इस तरह की इकाइयों की खरीद–फरोख्त में भी 20 फीसदी तक की छूट दी गई है। वहीं, अगर नगर निगम सीमा के बाहर एक हजार वर्गमीटर या इससे अधिक क्षेत्र में कोई नई औद्योगिक इकाई स्थापित होती है तो उसमें निर्धारित अकृषक भूमि की दर में 40 फीसदी की छूट का प्रावधान किया जाएगा। उद्योगों में छूट होने से आने वाले समय में निवेश की संभावनाएं बढेंगी, क्योंकि इसमें निवेशक को भी लाभ मिलेगा। प्रदेश सरकार भी निवेश को बढ़ावा देने के लिए इन्वेस्टर्स समिट समेत तमाम आयोजन समय समय पर करती रही है। फिलहाल राजधानी में औद्योगिक इकाइयों को स्थापित करने व क्रय–विक्रय में जो राहत दी गई है, ये उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए अहम कदम है। दो नए औद्योगिक क्षेत्र भी शामिल किए गए नए सर्किल रेट में दो नए औद्योगिक क्षेत्र शामिल किए गए हैं। इसमें घावां व डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर भटगांव शामिल है। घावां औद्योगिक क्षेत्र की दर पांच हजार प्रति वर्गमीटर निर्धारित की गई है, जबकि डिफेंस कॉरिडोर भटगांव की 1700 रुपये प्रति वर्ग मीटर तय की गई है। वहीं अन्य औद्योगिक क्षेत्र के सर्किल रेट में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

यात्री बोगी में बकरी संग महिला ने किया सफर, नहीं पड़ी किसी की नजर

लखनऊ, (संवाददाता)। चारबाग रेलवे स्टेशन पर बुधवार दोपहर घोर अव्यवस्था देखने को मिली। एक महिला न सिर्फ अपनी पालतू बकरी के साथ प्लेटफॉर्म नंबर दो पर न सिर्फ आधे घंटे तक बेधड़क घूमती रही, बल्कि गंगा–सतलज एक्सप्रेस के प्लेटफॉर्म पर आते ही वह यात्रियों से खचाखच भरी जनरल बोगी में बकरी के साथ चढ़कर आगे की यात्रा के लिए रवाना हो गई। हैरत की बात यह रही कि इस दौरान न तो रेलवे स्टाफ ने कोई ध्यान दिया और न ही जीआरपी की नजर पड़ी। रेलवे के नियमों के मुताबिक यात्री डिब्बों में पालतू जानवर ले जाना सख्त मना है। इसके लिए रेलवे माल डिब्बों या विशेष वैन की सुविधा देता है। इसके बावजूद महिला ने नियमों की अनदेखी कर यात्रा की। प्रदेश की राजधानी स्थित हाई सिक्योरिटी के दावे वाले इस रेलवे स्टेशन पर रेलवे प्रशासन की यह लापरवाही चर्चा का भी विषय बनी रही। जिस यात्री बोगी में वह महिला अपनी बकरी के साथ चढ़ी उसमें पहले से काफी भीड़ थी, लेकिन उसमें सवार अन्य यात्रियों में से भी किसी ने इसका विरोध नहीं किया।

सुविधा और संसाधनों के आधार पर होगी माध्यमिक विद्यालयों की ग्रेडिंग, आवश्यक कमियों को किया जाएगा दूर

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के 2295 राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में पठन–पाठन की सुविधा व संसाधनों की व्यवस्था सुधारने के लिए विभाग की ओर से इन विद्यालयों की भी परख ग्रेडिंग जारी की जाएगी। इसके लिए विभाग ने राजकीय माध्यमिक विद्यालयों को एक निर्धारित प्रारूप में अपनी सूचनाएं ऑनलाइन अपलोड करने के निर्देश दिए हैं। इसके आधार पर मूल्यांकन कर ग्रेडिंग जारी की जाएगी। परिषदीय विद्यालयों के साथ–साथ प्रदेश के राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में भी ऑपरेशन कायाकल्प, प्रोजेक्ट अलंकार, पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) आदि के माध्यम से सभी आवश्यक मूलभूत सुविधाएं व संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसके साथ ही यहां आईसीटी लैब, स्मार्ट क्लास आदि की भी सुविधा बढ़ाई जा रही है। इसके बाद भी अगर कोई कमी है तो उसको इस ग्रेडिंग के माध्यम से दूर करने का प्रयास किया जाएगा। विभाग की ओर से राजकीय विद्यालयों में शिक्षक व कर्मचारियों की संख्या, बिजली कनेक्शन, कंप्यूटर कक्ष की उपलब्धता, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, आर्ट रूम, स्मार्ट क्लास, वाईफाई की सुविधा, शिक्षक–छात्र उपस्थिति, पाठ्यक्रम के अनुसार पढ़ाई आदि के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा। विद्यालयों के प्रधानाचार्यों व प्रधानाध्यापकों को नए सत्र में अप्रैल से जून तक की निर्देश दिए गए हैं। प्रधानाध्यापक–प्रधानाचार्य को ऑनलाइन सूचना भरकर, आकड़ों के साथ डीआईओएस को आठ जुलाई तक भेजनी होगी। डीआईओएस इनका ऑनलाइन सत्यापन कर, पांच फीसदी विद्यालयों का भौतिक निरीक्षण कर अपनी रिपोर्ट मंडलीय संयुक्त शिक्षा निदेशक को 12 जुलाई तक भेजेंगे।

456 निजी आईटीआई संस्थानों के कई पाठ्यक्रम होंगे बंद, इलेक्ट्रीशियन, फिटर आदि में नहीं हो रहे प्रवेश

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के निजी प्रौद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में चल रहे इलेक्ट्रीशियन, फिटर व वेल्डर जैसे प्रमुख पाठ्यक्रमों में भी विद्यार्थी दाखिला नहीं लेना चाहते हैं। प्रशिक्षण महानिदेशालय (डीजीटी) की जांच में खुलासा हुआ है कि प्रदेश में 456 निजी आईटीआई में बीते तीन वर्षों में कुछ पाठ्यक्रमों में एक भी दाखिला नहीं हुआ है। ऐसे में अब इन संस्थानों में संचालित कोर्स की मान्यता खत्म करने के साथ इस सत्र में इन कोर्सेस में प्रवेश पर रोक लगेगी। लखनऊ मंडल सहित वाराणसी, आजमगढ़, आगरा, कानपुर, गाजियाबाद व अन्य जिलों में संचालित निजी आईटीआई की स्थिति बेहद खराब है। यहां बच्चों के लिए मूलभूत सुविधाएं तक नहीं हैं। प्रशिक्षण लेने वाले विद्यार्थियों के लिए बेहतर वर्कशॉप नहीं है। यही वजह है कि यहां लंबे समय से प्रवेश की स्थिति में सुधार नहीं हो पा रहा है। डीजीटी के उप महानिदेशक ईश्वर सिंह के अनुसार, निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में सत्र 2022 से 2024 तक शून्य प्रवेश थे। अधिकारियों के निरीक्षण में परिसर की स्थिति भी सही नहीं पाई गई। निरीक्षण रिपोर्टों के आधार पर सत्र 2025–26 में प्रवेश नहीं होंगे। निजी आईटीआई में संचालित इलेक्ट्रीशियन, इलेक्ट्रॉनिक्स, फीटर, वेल्डर, कंप्यूटर ऑपरेटर और प्रोग्रामिंग असिस्टेंट (कोपा), स्विंग टेक्नोलॉजी, ब्यूटीशियन व अन्य पाठ्यक्रमों में प्रवेश नहीं हुए हैं।

संक्षिप्त खबरें

अब जेडी ने मांगा निजी स्कूल प्रबंधकों से लिखित जवाब

लखनऊ, (संवाददाता)। आरटीई के तहत चयनित बच्चों को प्रवेश न देने वाले जिन स्कूलों की एनओसी रद्द करने और मान्यता प्रत्याहरण की सिफारिश की बीएसए ने थी, अब उन स्कूल प्रबंधकों से संयुक्त शिक्षा निदेशक माध्यमिक ने लिखित जवाब मांगा है। बुधवार को इन स्कूल प्रबंधकों को अंतिम नोटिस जारी किया गया है। प्रबंधकों को एक सप्ताह में जवाब देना होगा। जेडी ने सीएमएस की अलीगंज प्रथम व द्वितीय, गोमतीनगर, राजेंद्र नगर की तीनों शाखाएं, राजाजीपुरम, महानगर, कानपुर रोड, आनंद नगर, चौक, अर्शफाबाद, इंदिरानगर, जॉपलिंग रोड, राजाजीपुरम सेक्टर–1, सीएमएस स्टेशन रोड, सीएमएस आरडीएसओ शाख को नोटिस भेजा है। वहीं, गोमतीनगर एमआर जयपुरिया, गोमतीनगर विश्वनाथ एकेडमी के प्रबंधक से भी जवाब मांगा है। नोटिस जारी होने के बाद स्कूलों प्रबंधकों के प्रतिनिधि मौखिक तौर पर बुधवार को जवाब देने के लिए जेडी माध्यमिक कार्यालय पहुंचे, लेकिन उन्हें लौटा दिया गया। जेडी ने दो टूक कहा कि आरटीई के तहत बच्चों को न देने का लिखित रूप से जवाब दीजिए। जेडी माध्यमिक लखनऊ मंडल डॉ. प्रदीप कुमार ने बताया कि स्कूल प्रबंधकों को अंतिम नोटिस दिया गया है। लिखित जवाब मिलते ही कार्रवाई शुरू की जाएगी।

एलडीए की जमीन हड़पने की कोशिश, नौ पर केस

लखनऊ, (संवाददाता)। एलडीए के अवर वर्ग अभियंता अब्दुल शमी ने नौ लोगों पर जानकीपुरम योजना की जमीन हड़पने के प्रयास का आरोप लगाया है। वजीरगंज पुलिस ने इनके खिलाफ धोखाधड़ी और फर्जी दस्तावेज तैयार करने की धारा में एफआईआर की है। अब्दुल के मुताबिक निरालानगर की मीनू जोशी को वर्ष 1999 में जानकीपुरम योजना के सेक्टर–एच में जमीन आवंटित की गई। बाद में प्राधिकरण ने इसके बदले दूसरी जमीन आवंटित कर दी, जिसके दस्तावेज खो गए। 2024 में मीनू के आवेदन पर दूसरे दस्तावेज तैयार कर दिए गए। 28 मई 2025 को प्राधिकरण ने उनके नाम जमीन की रजिस्ट्री भी कर दी। 26 जून को प्राधिकरण के अधिकारी मीनू की जमीन पर पहुंचे तो पता चला कि उस पर वजीरगंज के अभिषेक वर्मा का कब्जा था। अगले दिन कार्यालय में पूछताछ में अभिषेक ने बताया कि दो मार्च को बीकेटी के मामपुर निवासी अनुज कुमार सिंह ने उनके नाम जमीन की रजिस्ट्री की थी। अभिषेक ने दस्तावेज भी दिखाए, जिन्हें अधिकारियों ने फर्जी बताया। अभिषेक ने बताया कि उन्होंने प्रतापगढ़ के बाबागंज के श्याम किशोर के जरिये रजिस्ट्री कराई थी। वजीरगंज के हरिकेश सिंह, बीकेटी के नवी कोट नंदना के हरिकेश सिंह और मामपुर बाना के अनुज कुमार सिंह गवाह थे। जांच में सामने आया कि ठगी में विकासनगर सेक्टर आठ के मनोज सिंह, बाराबंकी के बनी कोडर के गोविंद साहू और प्रतापगढ़ के सेनी के रमेश कुमार भी शामिल थे। अब्दुल ने वजीरगंज पुलिस से शिकायत की। इंस्पेक्टर राजेश त्रिपाठी के मुताबिक तफ्तीश जारी है।

गुरुवार के बाद प्रदेश में कुछ दिन के लिए थम जाएगा मानसून

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड, विंध्य क्षेत्र और मध्य प्रदेश से सटे जिलों में बृहस्पतिवार को भी मानसूनी बारिश की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश में मानसूनी बारिश

के फिलहाल धीमा पड़ने के संकेत हैं। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि दो दिन बाद थोड़ी सक्रियता के साथ बारिश की रफ्तार दोबारा मानसूनी धीमी पड़ेगी। हालांकि इस दौरान धूप छांव के साथ हवा में मौजूद पर्याप्त नमी की हीटिंग होने और बादलों की आवाजाही से गरज चमक और बूंदाबांदी की मौसमी परिस्थितियां बनी रहेंगी। बुधवार को यूपी के सोनभद्र, लखीमपुर खीरी, बाराबंकी, अयोध्या, बस्ती, वाराणसी, बलिया में हल्की से मध्यम बारिश हुई। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि वेदर सिस्टम फिलहाल दक्षिण की ओर ज्यादा सक्रिय है। इस वजह से बुंदेलखंड और दक्षिणी यूपी के इलाकों में और कहीं– कहीं तराई में बृहस्पतिवार को अच्छी बारिश की संभावना है। बृहस्पतिवार के लिए प्रदेश के बाकी जगहों पर भारी बारिश की चेतावनी नहीं है।

सुस्त पड़े बादल, उमस बढ़ी, पारा चढ़ा

राजधानी में बीते कुछ दिनों से हो रही मानसूनी बारिश और पारे में गिरावट दौर बुधवार को थम गया। कुछ इलाकों को छोड़ दें आमतौर पर बादल शांत रहे। इससे अधिकतम तापमान दो डिग्री और न्यूनतम तापमान में करीब डेढ़ डिग्री चढ़ गया। बृहस्पतिवार को भी कमोबेश ऐसा ही मौसम रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार अब शुक्रवार को बूंदाबांदी या हल्की बारिश देखने को मिल सकती है। बुधवार आसमान में बादलों की मौजूदगी के बीच धूप–छांव का खेल चलता रहा। दोपहर में हजरतगंज, महानगर और गोमतीनगर विस्तार में कुछ देर के लिए हल्की बारिश हुई। शहर के अन्य हिस्से को ये भी नसीब नहीं हुआ। दोपहर बाद उमस भरी गर्मी और बढ़ गई। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि वर्तमान में वेदर सिस्टम दक्षिणी यूपी की ओर खिसक चुका है। इसी वजह से अवध क्षेत्र में बादलों की सक्रियता घटी है। हालांकि, शुक्रवार को बूंदाबांदी या हल्की बारिश की सौगात मिल सकती है। बुधवार को अधिकतम तापमान दो डिग्री की बढ़त के साथ 34.9 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 1.4 डिग्री बढ़त के साथ 26.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ। छानबीन में सामने आया है कि आरोपी हत्या के इरादे से आया था। यही वजह है कि वह बैग में चाकू लेकर पहुंचा था। वह मौके की तलाश में था और कहासुनी होते ही उसने बैग से चाकू निकालकर हमला बोल दिया। छानबीन में सामने आया है कि आरोपी कोई काम नहीं करता था। आरोपी ने सबसे पहले अनंत नाम पर चाकू से वार किया था। पति की चीख सुनकर आशा दौड़ते हुए वहां पहुंचीं। हमले से पति को बचाने का पूरा प्रयास किया, लेकिन वह कामयाब नहीं हो सकी। इस बीच हमलावर ने आशा पर भी चाकू से कई बार कर दिए। पति को बचाते हुए आशा की भी जान चली गई। रेलवे सुरक्षा बल से सेवानिवृत्त थे अनंत राम, सरकारी स्कूल में शिक्षिका हैं पूनम

स्थानीय लोगों के मुताबिक अनंत राम रेलवे सुरक्षा बल से सेवानिवृत्त थे। पूनम प्राथमिक विद्यालय में शिक्षिका हैं। आरोपी के हमले में पूनम को भी काफी चोट आई है, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पूनम ने बताया कि जगदीप शराब का लती है। आए दिन मारपीट करता था। पूनम और जगदीश के दो बेटे हैं।

दहशत में मासूम, नहीं थम रहे आंसू

वारदात के दौरान पूनम का छोटा बेटा सनवीर (3) भी घर पर मौजूद था। इस वारदात के बाद मासूम सहम गया है। वह लगातार रो रहा है। परिजन मासूम को शांत कराने की कोशिश करते रहे, लेकिन वह नाना नानी को याद करता रहा। पूनम का दूसरा बेटा गुरुदित्त उनकी बड़ी बहन कंचन के पास जम्मू में है। पुलिस ने कंचन को घटना की जानकारी दी है। घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। कॉलोनी में सन्नाटा पसर गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस बल तैनात है।

दहकते अंगारों पर चल कर करबला के शहीदों को दिया पुरसा

लखनऊ, (संवाददाता)। या हुसैन, या हुसैन की सदाओं के बीच बच्चे, बूढ़े और नौजवानों ने दहकते अंगारों पर चलकर हजरत इमाम हुसैन और उनके साथियों को नजराना–ए–अकीदत पेश किया। करबला के शहीदों के गम डूबे अजादार दहकते अंगारों पर ऐसे चल रहे थे, मानों फूल पर चल रहे हों। अंजुमन–ए–सोगवार–ए–हुसैन की ओर से बुधवार को आसिफी इमामबाड़े में आग पर मातम किया गया। अंजुमन के सचिव सैयद आसिम नदीम रिजवी ने बताया कि करबला का मंजर याद कर अजादारों ने दहकतों अंगारों पर चलते हुए शहीदों को पुरसा दिया। उधर, अंजुमन नय्यरुल इस्लाम की ओर से हुसैनाबाद स्थित कर्बला मलका जहां में हजरत अली असगर के गहवारे की जियारत कराई गई। करबला के शहीदों के गम में महिलाओं और बच्चों ने हजरत अली असगर की निशानी झूला (गहवारा) का बोसा लिया।

दुकान तोड़कर मकान में घुसी बेकाबू एसयूवी, पिता-पुत्र घायल

लखनऊ, (संवाददाता)। हजरतगंज में संकल्प वाटिका के पास मंगलवार देर रात तेज रफ्तार एसयूवी अनियंत्रित होकर दुकान को तोड़ते हुए मकान में घुस गई। हादसे में घर के बाहर सो रहे रविदास नगर के विजय सोनी और उनका बेटा दीपक घायल हो गया। दोनों को गंभीर अवस्था में सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इंस्पेक्टर विक्रम सिंह के मुताबिक विजय सोनी की पत्नी ज्ञानमती की तहरीर पर एसयूवी चालक व तीन अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। आरोपी चालक हादसे के बाद भाग निकला। पुलिस उसे तलाश रही है। एसयूवी में बियर की केन भी मिली है। विजय सोनी के मुताबिक घर के बाहर उनकी अंडे और पान मसाले की दुकान है। मंगलवार देर रात करीब दो बजे तेज रफ्तार एसयूवी की टक्कर से उनकी दुकान क्षतिग्रस्त हो गई और मकान की दीवार विजय के सीने पर भरभराकर गिर गई। विजय के बगल में सो रहा बेटा भी घायल हो गया। शोरगुल सुनकर जागे परिजनों ने दोनों को मलबे से निकाला। गाड़ी के भीतर फंसे युवक को स्थानीय लोगों ने निकाला और उसकी पिटाई कर दी। पुलिस उसे बचाकर अस्पताल ले गई। आरोप है कि चालक और गाड़ी में मौजूद लोग नशे में थे। कुछ लोगों का कहना है कि एसयूवी में दो युवतियां भी थीं, जो भाग निकलीं। गाड़ी पर उत्तराखंड का नंबर है। पुलिस का कहना है कि चालक निशातगंज की ओर एसयूवी लेकर जा रहा था। उस पर भाजपा का लोगो है और ब्लॉक प्रमुख लिखा है। इंस्पेक्टर ने बताया कि एसयूवी उत्तराखंड के काशीपुर स्थित काठगोदाम रेलवे कॉलोनी के आलोक कुमार मिश्रा के नाम दर्ज है। संपर्क करने पर उन्होंने बताया कि कुछ माह माह शाहजहांपुर के भदाजी निवासी अर्जुन सिंह को एसयूवी बेच दी थी। हालांकि, उन्होंने गाड़ी अपने नाम स्थानांतरित नहीं कराई थी। पुलिस अर्जुन के बारे में पता लगा रही है।

वाहन स्वामियों को चालान जमा करने का भेजा जा रहा मेसेज

लखनऊ, (संवाददाता)। वाहनस्वामियों की ओर से चालान शुल्क जमा करने में की जा रही आनाकानी व लापरवाही को ध्यान में रखते हुए परिवहन विभाग उन्हें जमा करने के प्रति जागरूक करेगा। इसके लिए विभाग ने वाहन स्वामियों के पंजीकृत मोबाइल नंबरों पर मेसेज भेजना शुरू कर दिया गया है। अब तक 29 हजार से अधिक मेसेज भेजे जा चुके हैं। परिवहन विभाग ने एक डाटा जारी कर बताया है कि इस साल लखनऊ में जनवरी से लेकर मई तक 4,48,633 चालान पोर्टल पर दर्ज किए गए हैं। इन चालानों की राशि करीब 2.49 अरब रुपये है। परिवहन विभाग के अफसरों ने बताया कि अभी कुल चालान की राशि में से 1.07 अरब रुपये ई–चालान के रूप में जमा किए जा चुके हैं। शेष की वसूली जारी है। सबसे अधिक चालान दो और चारपहिया वाहनों पर किए गए हैं। अफसरों ने बताया कि जिन मोबाइल नंबरों पर एक से अधिक चालान जारी हुए हैं, उन पर वॉट्सएप चौटबॉट के जरिये ई–चालान भुगतान का रिमाइंडर भेजा गया है। परिवहन आयुक्त बीएन सिंह ने बताया कि व्हाट्सएप चौटबॉट से ई–चालान भुगतान का रिमाइंडर भेजना एक प्रयोग है। इसका मकसद चालान की जानकारी और भुगतान प्रक्रिया सहज बनाना है। इसे भारत सरकार के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के लिए भेजा गया है। वहीं से एपीआई इंटीग्रेशन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद यह ऑटोमेटिक काम करने लगेगा। इसके बाद सभी वाहन स्वामियों को उनके चालान संबंधी जानकारी पहुंचती रहेगी।

दावे दर किनार, परेशानी में सफर कर रहे यात्री

लखनऊ, (संवाददाता)। आरक्षित श्रेणी के टिकटों की बुकिंग और वेटिंग टिकटों को लेकर रेलवे प्रशासन ने दावा किया था कि इससे यात्रियों को सुविधा होगी, लेकिन तमाम दावों के बाद भी रेलवे का सफर यात्रियों के लिए आसान नहीं हो पा रहा है। कई ट्रेनों में तत्काल की सीटें रिग्रेट शो होने के कारण बुकिंग काउंटर पर पहुंचे यात्रियों को जहां खाली हाथ लौटना पड़ रहा है। बुधवार चारबाग स्टेशन से गुजरने वाली अधिकांश ट्रेनों का यही हाल रहा। बुधवार महामना एक्सप्रेस, संपर्क क्रांति, कैफियात, वैशाली एक्सप्रेस, पद्मावत एक्सप्रेस समेत अधिकांश ट्रेनों में तत्काल टिकट सुबह से ही रिग्रेट शो होता रहा।

आबकारी प्रवर्तन दल ने कई क्षेत्रों मे चलाया अभियान

अयोध्या। जिले मे अवैध शराब के निष्कर्षण, बिक्री एवं व्यापार के विरुद्ध आबकारी आयुक्त के निर्देश पर वह जिला आबकारी अधिकारी सुरेश चन्द्र मिश्रा के नेतृत्व में कई जगहों पर आबकारी निरीक्षक शहर क्षेत्र के

अरविन्द कुमार छापा मारा। उन्होंने बताया कि आज शुक्रवार को आबकारी विभाग ने शहर के रेतिया मुहल्ला थाना– कैंट, मजानपुर, थाना –मवई, मीठे गांव, थाना – इनायतनगर, गंगापुर, थाना– तारुन सहित अन्य संदिग्ध ा स्थलों पर आकस्मिक छापेमारी की कार्यवाही किया। बताया कि इस कार्यवाही के दौरान 02 आरोपियों के खिलाफ कार्यवाही कर 52 लीटर अवैध ा कच्ची शराब जब्त कर आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया गया। उन्होंने बताया कि आगे भी विभाग के उच्च अधिकारियों के निर्देश पर अवैध शराब के विरुद्ध प्रवर्तन कार्यवाही जारी रहेगी।

आईजी ने निरीक्षक पद पर प्रोन्नत पाये पुलिस कर्मी को दी बधाई

अयोध्या। आईजी प्रवीण कुमार ने आईजी कार्यालय मे तैनात उपनिरीक्षक(लेखा विभाग) सुरेश कुमार मौर्य के निरीक्षक(लेखा) पद पर

प्रोन्नत होने पर वर्दी में स्टार लगाकर बधाई दिया।इस मौके पर उन्होंने उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कार्यालय के प्रति दायित्व एवं कर्तव्यो की जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करने हेतु प्रेरित किया।परिक्षेत्रीय कार्यालय में नियुक्त अधिकारियों व कर्मचारियों ने पुलिस महानिरीक्षक, अयोध्या परिक्षेत्र, अयोध्या के सुरेश कुमार मौर्य को मिठाई खिलाकर बधाई दिया।इस अवसर पर निरीक्षक अक्षय कुमार, निरीक्षक, अरविन्द सिंह ,गोपनीय सहायक नवीन सिंह, उपनिरीक्षक रणजीत यादव, उपनिरीक्षक श्री प्रकाश पाण्डेय अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहें।

पांच पुलिसकर्मी हुए निलंबित

अयोध्या। एसएसपी डॉ गौरव ग्रोवर ने विभागीय कार्यों में लापरवाही बरतने वाले पांच पुलिसकर्मियो के खिलाफ कार्यवाही किया है।उन्होंने लापरवाही बरतने वाले इन पांचो पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया।उन्होंने विभागीय कार्य में लापरवाही और अनुपस्थित रहने के चलते एक कंप्यूटर ऑपरेटर, तीन आरक्षी व एक महिला आरक्षी को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया।निलंबित हुए पुलिसकर्मियों में कंप्यूटर ऑपरेटर सिद्धार्थ चौरसिया थाना पूरा कलंदर,आरक्षी मुनीराम मौर्या यूपी 112 कार्यालय,आरक्षी राजीव कुमार शर्मा रिजर्व पुलिस लाइन,आरक्षी सिद्धांत आर्य थाना पटरंगा,और महिला आरक्षी सोनी यादव डीसीआरबी कार्यालय शामिल है।

संक्षिप्त खबरें

आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि द्वारा सहायक आयुक्त (खाद्य) नहीं चलाया चेकिंग अभियान

अयोध्या।आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि द्वारा सहायक आयुक्त (खाद्य)प्रमानिक चन्द्र सिंह के निर्देशन एवं मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी डॉ प्रवीण कुमार त्रिपाठी के नेतृत्व में विभागीय प्रवर्तन दल ने 5 पनीर निर्माताओं विक्रेताओं पर छापे मारकर पनीर के 5 नमूने लिए। उन्होंने बताया कि यह अभियान आम जनमानस को शुद्ध एवं मिलावट रहित खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के प्रयोजन से चलाया जा रहा है।इस अभियान के तरत टीम ने यादव डेरी, सोहावल चौराहा,मधुर मिलन स्वीट्स, बेकर एण्ड फास्ट फूड, सोहावल चौराहा,अरफात डेरी फतेहगंज,रामा डेरी फतेहगंज,पराग डेरी,अयोध्या से पनीर के एक एक नमूने लेकर जाँच हेतु प्रयोगशाला को भेजा गया।अरफात डेरी पर संदिग्ध गुणवत्ता का 109 किलो पनीर मूल्य रु

37000 तथा रामा डेरी पर 25 किलो पनीर मूल्य रु 7000– कराया गया।रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरान्त नियमानुसार अभियोजन की प्रक्रिया प्रारम्भ की जाएगी। प्रवर्तन दल द्वारा खाद्य प्रतिष्ठानों पर फूड सेफ्टी कनेक्ट ऐप के सम्बन्ध में जागरूकता कार्यक्रम किये गये तथा सम्बंधित जानकारियों के विषय में स्टीकर भी चस्पा कराये गये। प्रवर्तन दल में खाद्य सुरक्षा अधिकारीगण संतोष साहू, अजय सोनी, अनूप सिंह, जयदीप मौर्य एवं सुमित चौधरी सम्मिलित रहे।

पेड से लटकते मिले प्रेमी जोडे का शव, हत्या की आशंका

कुशीनगर, (संवाददाता)। जनपद के तमकुही राज थाना क्षेत्र के परसौनी गांव में बुधवार को आम के बागीचे में युगल प्रेमी जोडे की शव पेड़ से लटकी हुई मिलीं। मौके की स्थिति व पुलिस की प्रारम्भिक जांच में यह स्पष्ट हो गया कि हत्या के बाद युवक–युवती के शव पेड से लटकाया गया है। इस घटना को लेकर क्षेत्र में हड़कंप मच गया। युवक के सिर पर चोट के निशान व पैंट पर खून के धब्बे थे जबकि किशोरी का चेहरा बुरी तरह से कुचल दिया गया था। स्थानीय लोगों की सूचना पर मौके पर पुलिस ने दोनो शव को कब्जे में लेकर पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजकर आगे की कार्रवाई में जुट गयी है। जानकारी के अनुसार तमकुहीराज थाना क्षेत्र के परसौनी गांव मे स्थित आम के बागीचे में एक युवक व किशोरी के शव संदिग्ध परिस्थिति में पेड़ से लटका हुआ मिला। मृतकों की पहचान गांव के ही बीस वर्षीय राहुल निषाद पुत्र अशर्फी निषाद व पडोसी पन्द्रह वर्षीय आशु कुशवाहा पुत्री रामदेव कुशवाहा के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि इन दिनों के बीच प्रेम–प्रसंग चल रहा था। राहुल तीन बहनों में इकलौता भाई था जो इंटरमीडिएट की परीक्षा उत्तीर्ण कर लिया था वहीं आशु आठवीं की छात्रा थी और अपने घर की सबसे छोटी थी, गांव वालों की मानें तो दोनों के बीच पिछले कुछ समय से नजदीकियां थीं, ।

स्कूल मर्जर के खिलाफ छात्रों और अभिभावकों ने किया प्रदर्शन मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 5000 सरकारी स्कूलों को बंद या विलय करने के निर्णय का विरोध तेज हो गया है। जौनपुर में सरकारी स्कूल बचाओ संघर्ष समिति ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट परिसर में चक्रमण करते हुए बच्चों और अभिभावकों ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन डीएम को सौंपा। आश्चर्यजनक बात ये है विद्यालय को बदलापुर विधायक रमेश मिश्रा ने गोद ले रखा है। विकास खंड बदलापुर में कम छात्र संख्या के कारण पूर्व माध्यमिक विद्यालय पहितियापुर को 26 जून से बंद कर दिया गया। यह कार्रवाई स्कूल विलय की अंतिम तिथि 30 जून से पहले की गई। अभिभावकों को छात्र संख्या बढ़ाने का अवसर नहीं मिला। पहितियापुर गांव की स्थिति विशेष है। गांव के दक्षिण और पूर्व में पीली नदी व जंगल है। उत्तर में हाईवे बाईपास व रेल लाइन है। पश्चिम में हाईवे व बाजार है। स्कूल को 3 किलोमीटर दूर सिंगरामऊ में विलय किया गया है।अभिभावकों का कहना है कि दुर्गम रास्तों के कारण बच्चे दूर के स्कूल नहीं जा पाएंगे। संविधान का अनुच्छेद 45 राज्य को 14 वर्ष तक के बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का निर्देश देता है। शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009, अनुच्छेद 21। के तहत 6 से 14 वर्ष के बच्चों को शिक्षा मौलिक अधिकार है। अभिभावकों ने कहा कि छात्र संख्या के आधार पर स्कूल बंद करना अलोकतांत्रिक है। यह शिक्षा के अधिकार कानून का उल्लंघन है। उन्होंने मांग की है कि पहितियापुर सहित अन्य सरकारी स्कूलों को बंद न किया जाए। अभिभावकों की मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी मांग किया हैं कि स्कूल वही रहने दिया जाय गरीबी के बच्चे कहा पढ़ने जायेंगे अमीर लोगों के बच्चे बड़े स्कूलों में पढ़ाई कर लेगे।

पप्पू माली को दोबारा राष्ट्रीय सचिव पद का उत्तरदायित्व शुभ चिंतकों ने दिया बधाई

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। अपना दल एस पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल व कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल ने पप्पू माली पर दोबारा भरोसा जताया है। पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने पप्पू माली को दोबारा राष्ट्रीय सचिव पद का उत्तरदायित्व सौंपा है। पार्टी ने उनके समाज के विभिन्न संगठनों व सामाजिक कार्यों में महत्वपूर्ण योगदान, गहरी और मजबूत राजनीतिक पृष्ठभूमि व पैठ के चलते फिर से विश्वास किया है। संयुक्त श्रीमाली महासभा के राष्ट्रीय संयोजक के पद का ईमानदारी पूर्वक निर्वहन करने, महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के साथ–साथ समाज के विभिन्न मंचों को एकता के सूत्र में पिरोने का काम किया है। राष्ट्रीय सचिव के पद पर मनोनीत होने पर विभिन्न जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और गणमान्य नागरिकों का तांता लग गया है। फिर से जिम्मेदारी मिलने पर राष्ट्रीय सचिव ने पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष, शीर्ष पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के प्रति हार्दिक आभार प्रकट किया है। उन्होंने कहा कि पार्टी के संस्थापक बोधिसत्व, यशःकायी डॉ. सोनेलाल पटेल व केंद्रीय मंत्री की मंशा पर सदैव खरा उतरने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी की रीतियों और नीतियों को जन–जन तक पहुंचाने के साथ–साथ संगठन को मजबूती देने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि सांगठनिक मजबूती के लिए जो भी महत्वपूर्ण एवं सार्थक कदम उठाने होंगे जरुर उठाएंगे। इस अवसर पर राज्य मंत्री सोहनलाल श्रीमाली, महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्य मंत्री कृपा शंकर सिंह, मडियाहूं के विधायक डॉ. आरके पटेल, पूर्व सांसद बीपी सरोज ,वरिष्ठ समाजसेवी ज्ञान प्रकाश सिंह, संयुक्त श्रीमाली महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष छोटेलाल श्रीमाली, जिलाध्यक्ष शिवनायक पटेल, डॉ. अखिलेश सैनी , जिलाध्यक्ष लाल बहादुर पटेल, अनिल जायसवाल, माता बदल तिवारी, डॉ अजय सिंह, डॉ राजेंद्र प्रताप सिंह, राजनाथ पटेल, प्रमोद माली, रामकुमार माली, रतन कुमार माली, मानसिंह पटेल, राजेश कुमार पाल आदि लोगों ने बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है।

चुनाव की रंजिश को लेकर गांव में किशोर को मारी गोली

बस्ती, (संवाददाता)। दुबौलिया के पेठिया लश्करी ग्राम पंचायत के नियामतपुर गांव में मंगलवार की रात प्रधानी चुनाव की रंजिश को लेकर घर के बाहर सो रहे सत्रह वर्षीय किशोर को गोली मार दिया। जिससे किशोर गम्भीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना पर डायल 112 व दुबौलिया पुलिस पहुंची वहीं स्वजन घायल को मेडिकल कॉलेज अयोध्या ले गये जहां हालत गंभीर देख चिकित्सक ने लखनऊ के लिए रेफर कर दिया।

दुबौलिया थाना क्षेत्र पेठिया लश्करी ग्राम पंचायत के नियामतपुर गांव निवासी संतोष यादव उर्फ जमालू यादव का सत्रह वर्षीय पुत्र अशोक यादव के घर बाहर के बाहर चारपाई पर सोया था। रात करीब ग्यारह बजे अचानक से गोली की आवाज सुन कर सवजन बाहर आये तो देखा की अशोक के सर में गोली लगने से गम्भीर रूप से घायल हो गया है। अंधेरे का फायदा उठा कर आरोपी मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना पर डायल 112 और दुबौलिया थानाध्यक्ष प्रदीप सिंह मौके पर पहुंचे, अशोक यादव के परिजनोंध का आरोप है मौजूदा ग्राम प्रधान राम उजागिर यादव द्वारा करते गये कार्यों की शिकायत लोकायुक्त के यहां किया गया था। जिसकी जांच चल रही है। उसी रंजिश को लेकर प्रधान प्रतिनिधि संतोंष यादव उर्फ बब्बन यादव, ग्राम प्रधान राम उजागिर यादव सहित कुछ अन्य लोग बीती रात ग्यारह बजे शिकायत कर्ता संतोष यादव उर्फ जमालू को जान कर बाहर चारपाई पर सो रहे किशोर अशोक यादव के सर में गोली मारी दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। वही रात में क्षेत्राधिकारी प्रदीप कुमार त्रिपाठी, पुलिस अधीक्षक अभिनंदन ने घटना स्थल का दौरा किया। वही गांव में घटना को लेकर तनाव है। मौके पीड़ित के घर दो पुलिस कर्मी सुरक्षा व्यवस्था में तैनात हैं। वही दुबौलिया पुलिस ने आधा दर्जन लोगों से घटना को लेकर पूछताछ में जुटी है।

क्षय रोग उन्मूलन में योगदान देने वाले 14 ग्राम प्रधान सम्मानित

बस्ती, (संवाददाता)। बुधवार को रामनगर ब्लाक सभागार में राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के अन्तर्गत 100 दिवसीय सघन टी०बी० अभियान में अपने दायित्वों का विशिष्ट निष्पादन करने वाले ग्राम प्रधानों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ब्लाक प्रमुख रामनगर यशकान्त सिंह उपस्थित रहें। विशिष्ट योगदान देने वाले 14 ग्राम प्रधानों को स्मृति चिन्ह व प्रमाण–पत्र देकर सम्मानित किया। पुरस्कार प्राप्त करने वाले प्रधानों में

समारोह व श्री अन्न अभियान के अर्न्तगत कृषि विभाग द्वारा मिलेट्स किट वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। बसडीलिया, बडौगीं, सकतपुर, तुसायल, मनौढ़ी, बड़ोखर, असुरैना, पिरेला नरहरिया, बेलगड़ी, लोढ़वा, गंधरिया बुजुर्ग, कोल्हुई, करायन, बैदौली उर्फ दुबौली के प्रधानगण उपस्थित रहें। किसानों को मिलेट्स का मिनी किट वितरित करने के बाद ब्लाक यशकान्त सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन में प्रधानों ने अति महत्वपूर्ण योगदान दिया हैं, हम सभी को मिलकर क्षय रोग को हराना हैं, जहां भी जिस क्षेत्र में भी क्षय रोगी हो उन्हें उचित स्थान तक पहुँचाकर उन्हें मुख्य धारा से जोड़ने का कार्य करना है।किसानों को सम्बोधित करते हुए ब्लाक प्रमुख ने कहा कि हमें मिलेट्स के उत्पादन को बढ़ाना होगा, हमें अपनी दिनचर्या में मिलेट्स का सेवन शुरू करना होगा, केन्द्र व प्रदेश सरकार मिलेट्स के उत्पादन में अत्यधिक प्रयास कर रही है।

`आम महोत्सव लखनऊ` में जौनपुर के आम उत्पादक, मुख्यमंत्री द्वारा किए गये सम्मानित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर जिला उद्यान अधिकारी ने अवगत कराया है कि लखनऊ में आयोजित प्रतिष्ठित आम महोत्सव में जनपद के बरौली ग्राम विकासखंड बदलापुर निवासी अनिल कुमार सिंह पुत्र त्रिवेणी सिंह को आम की बागवानी के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के द्वारा सम्मानित किया गया। यह सम्मान उनके अथक प्रयासों और नवाचारी बागवानी तकनीकों का प्रमाण है, जिन्होंने उन्हें आम उत्पादन में एक मिसाल के रूप में स्थापित किया है। इस अवसर पर अनिल कुमार सिंह ने अपनी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि ''यह मेरे और मेरे परिवार के लिए अत्यंत गर्व का क्षण है। मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा सम्मानित किया जाना मेरे बागवानी के प्रति समर्पण को और मजबूत करता है।'' उन्होंने विशेष रूप से उद्यान विभाग के सहयोग को स्वीकार करते हुए बताया कि विभाग ने उन्हें तकनीकी मार्गदर्शन, प्रशिक्षण और आवश्यक सहायता प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ''उद्यान विभाग का निरंतर सहयोग ही मेरी सफलता का आधार रहा है। उनकी सलाह और योजनाओं ने मुझे अपनी बागवानी को उन्नत बनाने में मदद की। अनिल कुमार सिंह पिछले कई वर्षों से आम की बागवानी में सक्रिय हैं और उन्होंने अपने खेत में आम की विभिन्न उन्नत किस्मों का सफलतापूर्वक उत्पादन किया है। उनकी बागवानी पद्धतियां न केवल पर्यावरण के अनुकूल हैं बल्कि उच्च गुणवत्ता वाले आम के उत्पादन में भी सहायक सिद्ध हुई हैं। उनके प्रयासों ने क्षेत्र के अन्य किसानों को भी आधुनिक बागवानी तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित किया है। जनपद के लिए भी यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, क्योंकि यह स्थानीय औद्यानिक समुदाय में उत्साह का संचार करेगी और उन्हें बागवानी क्षेत्र में नवाचार करने के लिए प्रोत्साहित करेगी। जिला उद्यान अधिकारी डॉ0 सीमा सिंह राणा ने अनिल कुमार सिंह को बधाई देते हुए कहा कि उनकी सफलता अन्य किसानों के लिए प्रेरणा स्रोत बनेगी। यह सम्मान जनपद जौनपुर के किसानों और औद्यानिक क्षेत्र को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, विशेषकर बागवानी जैसे क्षेत्रों में जहां अपार संभावनाएं मौजूद हैं। अनिल सिंह का सम्मान न केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि यह उन सभी किसानों के लिए एक प्रेरणा है जो लगन और सही मार्गदर्शन से औद्यानिक क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू सकते हैं।

पुलिस मुठभेड़ में अंतर्जनपदीय एक गो तस्कर गिरफ्तार पैर में लगी गोली

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। पवारा थाना अंतर्गत गुरुवार रात पुलिस टीम के साथ हुई पुलिस मुठभेड़ में 1 अन्तर्जनपदीय गो–तस्कर अभियुक्त गिरफ्तार किया गया है।कब्जे से एक पिस्टल दो कारतूस व एक मोटरसाइकिल बरामद घटना के संबंध में जानकारी देते हुए अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण आतिश कुमार सिंह ने बताया कि पवारा थानाध्यक्ष पवारा रमेश कुमार को मुखबिर द्वारा सूचना मिली कि एक बदमाश पवारा होते हुए बंधवा बाजार की तरफ किसी बड़ी घटना को अंजाम देने जा रहा है सूचना पर तत्काल पुलिस बरेठी पुलिया के पास चेकिंग अभियान चलाया गया इस दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति बाइक से आता दिखाई दिया तो उसे रोकने का प्रयास किया गया उसके द्वारा पुलिस पर फायर किया गया जवाब में पुलिस द्वारा भी फायर किया गया

जो उसके पैर में लगी है उसे इलाज के लिए सीएससी मछलीशहर भर्ती कराया गया है पूछने पर उसने अपना नाम मनोज यादव पुत्र राजकुमार यादव निवासी गौरामाफी थाना आसपुर देवसरा जनपद प्रतापगढ़ बताया है। उसके पास से 32 बोर का पिस्टल कारतूस और स्प्लेंडर बाइक बरामद किया गया है।इसकेअपराधिक इतिहास के बारे में भी जानकारी मिली है।इसके ऊपर जौनपुर प्रतापगढ़ में कुल आठ मुकदमे पंजीकृत हैं थाना पवारा को निर्देशित किया गया है कि उक्त मामले की गहनता से जांच करते हुए अग्रिम कार्रवाई करें।

पुण्य तिथि पर याद किये गये होम्योपैथी के जन्मदाता सैमुएल हैनिमैन

बस्ती, (संवाददाता)। होम्योपैथी के जन्मदाता सैमुएल हैनिमैन को उनकी पुण्य तिथि पर याद किया गया। बुधवार को रिसर्च सोसायटी ऑफ होम्योपैथी इण्डिया के मण्डल अध्यक्ष डा. वी.के. वर्मा, जिलाध्यक्ष डा. शैलेन्द्र कुमार तिवारी आदि ने जिला चिकित्सालय स्थित डा. हैनिमैन की प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद उनके योगदान पर प्रकाश डाला।वरिष्ठ होम्योपैथ चिकित्सक डा. वी.के. वर्मा ने कहा कि डा. हैनिमैन ने नई दवाओं की खोज और इस पद्धति का उपयोग करके इलाज करने के तरीके की व्यवस्थित जांच में बिताया। उन्होंने 1796 में होम्योपैथी नामक पद्धति पर अपना पहला शोध पत्र प्रकाशित किया। हैनीमैन के समय में कई महामारियाँ फैलीं, खास तौर पर बच्चों में। उन्हें पता था कि एट्रोपा बेलाडोना पौधे के जहरीले लक्षण स्कार्लेट ज्वर के लक्षणों जैसे ही होते हैं। इसलिए, उन्होंने उन परिवारों को बेलाडोना दिया जिनमें

स्कार्लेट ज्वर था। उन्होंने इसे अप्रभावित बच्चों को रोकथाम के तौर पर भी दिया। डा. वर्मा ने कहा कि होम्योपैथी अब भारत सहित पूरी दुनियां में मरीजों के साथ ही असाध्य रोगों का भी कारगर उपचार कर रही है। उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा। कहा कि हृदय रोग, पथरी, डेगू, चिकनगुनिया आदि रोगों में होम्योपैथी कारगर सिद्ध हो रही है। उनका योगदान युगों तक याद किया जायेगा। रिसर्च सोसायटी ऑफ होम्योपैथी इण्डिया के जिलाध्यक्ष डा. शैलेन्द्र कुमार तिवारी ने कहा कि प्रेक्टिस करने के दौरान सैमुएल हैनिमैन को उस समय की चिकित्सा प्रणाली ठीक नहीं लगी क्योंकि उस समय आधुनिक तरह–तरह से चिकित्सा करने की प्रणालियों की कमी थी जिस वजह से उन्होंने अपनी प्रेक्टिस को बीच में ही छोड़ दिया और होम्योपैथी चिकित्सा का वरदान समूचे विश्व को दिया। समूची मानवता इस योगदान के लिये उनका ऋणी है। पुण्य तिथि पर सैमुएल हैनिमैन को नमन करने वालों में मुख्य रूप से डा. एन.के. सिंह गौतम, डा. वीरेन्द्र तिवारी, टाइगर शक्ति सिंह, डा. डी.के. गुप्ता, डा. हनुमान शुक्ला, डा. एच.एन. चौधरी, डा. सन्तोष दूबे, डा. अनिल मिश्र, डा. कमलेश, डा. राजेश चौधरी, डा. संजय कुमार, डा. मुनिदेव आदि शामिल रहे।

बसपा की सरकार बनने पर फिर शुरू होंगे मर्ज किये गये विद्यालय– अनिल कुमार गौतम

बस्ती, (संवाददाता)। बहुजन समाज पार्टी जिलाध्यक्ष अनिल कुमार गौतम ने बसपा प्रमुख पूर्व मुख्यमंत्री सुश्री मायावती के एक्स एकाउन्ट पर विद्यालयों को मर्ज किये जाने सम्बंधित टिप्पणी की जानकारी देते हुये बताया कि स्कूल बंद हुये तो गरीब बच्चों की शिक्षा बाधित हो जायेगी।सुश्री मायावती ने एक्स एकाउन्ट पर कहा है कि बेसिक शिक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्राथमिक विद्यालयों के युग्मन,एकीकरण की आड़ में बहुत सारे स्कूलों को बंद करने वाला जो फैसला लिया गया है, वह गरीबों के करोड़ों बच्चों को उनके घर के पास दी जाने वाली सुगम व सस्ती सरकारी शिक्षा व्यवस्था के प्रति न्याय नहीं, बल्कि पहली नजर में ही स्पष्ट तौर पर यह अनुचित,।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।